राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 05 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-340 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ठंड और कोहरे का दौर जारी

उत्तर भारत के कई राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली में ठंड और कोहरे का दौर जारी है मौसम विभाग ने चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, यूपी, राजस्थान समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इसके चलते कहीं ऑरेंज तो कहीं येलो अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी के मुताबिक उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में अगले दो दिन तक शीत लहर और कोहरे की स्थिति रहेगी। हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के अलग-अलग स्थानों में 3 और 4 जनवरी को घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई थी। वहीं उत्तर प्रदेश में भी जबरदस्त ठंड का दौर जारी है। विजिबिलिटी भी काफी कम हो गई है। कई जगहों पर विजिबिलिटी घटकर 50-100 मीटर रह गई। यूपी में अति घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की गई थी।

दिल्ली से सटे बहादुरगढ़ में भी विजिबिलिटी महज 10 मीटर रही। 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी हवा चलीं। वायु प्रदूषण का स्तर भी बेहद खराब रिकॉर्ड किया गया। एक्यूआई 300 पार पहुंच गया है। वहीं, दिल्ली एनसीआर में ठंड के कारण लोग परेशान हैं। सड़क पर वाहन रेंगते नजर आ रहे हैं। इसका असर हवाई और रेल सेवा पर भी पड़ा है। घने कोहरे से उड़ानों पर भी असर हुआ है। आवाजाही और प्रस्थान रोक दिया गया। इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से उड़ने वाली 100 से ज्यादा उड़ाने देरी से रवाना हुईं। रनवे पर लो विजिबिलिटी प्रोसीजर लागू कर विमानों की आवाजाही कराई गई। इससे कई विमानों का संचालन देरी से हुआ। दिल्ली-एनसीआर में भी

घना कोहरा छाया रहा। गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गुरुग्राम में भी शीतलहर चल रही है। तापमान लगातार नीचे आ रहा है। मौसम पूर्वानुमान में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रहने का संकेत दिया है। वहीं शनिवार सुबह बहादुरगढ़ का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मणिपुर में फिर हिंसा, भीड़ ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर हमला किया

इंफाल । (एजेंसी)

मणिपुर में हिंसा थम नहीं रही है। सैबोल गांव से केंद्रीय बलों को कथित रूप से नहीं हटने को लेकर भीड़ ने कांगपोकपी जिले में पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर हमला कर दिया। इस हमले में कई लोगों के घायल होने की खबर है। इसके अलावा कांगपोकपी के एसपी भी घायल हुए हैं। राज्य 3 मई 2023 से हिंसा की आग में लगातार जल रहा है। कुकी संगठन सैबोल गांव में 31 दिसंबर को सुरक्षा बलों द्वारा महिलाओं पर कथित रूप से लाठीचार्ज करने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

हमलावरों ने गांव में केंद्रीय बलों, खासकर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की लगातार तैनाती पर अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए कार्यालय पर पथराव किया और अन्य चीजें भी फेंकी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के परिसर में रखे जिला पुलिस के वाहनों को क्षतिग्रस्त

हुए है। मणिपुर हिंसा के लिए सीएम बीरेन सिंह ने 31 दिसंबर 2024 को माफी मांगी थी। उन्होंने साल 2024 को दुर्भाग्य से भरा बताया था। सीएम बीरेन सिंह ने कहा था कि वह अब तक की हिंसा के लिए राज्य के लोगों से माफी मांगते हैं। मुझे खेद है और पिछले 3 मई से आज तक राज्य के लोगों से माफी मांगना चाहता हूं। कई लोगों ने अपनों को खोया है। कई लोगों ने अपने घरों को छोड़ दिया। मुझे वाकई में पछतावा है। मैं माफी मांगना चाहता हूं। अब, मुझे उम्मीद है कि शांति की दिशा में पिछले 3-4 महीनों की प्रगति को देखने के बाद, मुझे उम्मीद है कि नए साल 2025 के साथ, राज्य में सामान्य स्थिति और शांति बहाल हो जाएगी।

पहला कॉलम

सेना का ट्रक खाई में गिरने से 04 जवान शहीद, 2 गंभीर रूप से घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार दोपहर हुए एक बड़े सड़क हादसे में सेना के 04 जवान शहीद हो गए। भारतीय सेना का एक ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरा, जिसमें 04 जवान शहीद हो गए, जबकि 02 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा बांदीपोरा जिले के एसके पायीन इलाके में हुआ। अधिकारियों के अनुसार, खराब मौसम और कम विजिबिलिटी के कारण ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में गिर गया। घटना के समय ट्रक में कुल छह जवान सवार थे। सेना ने हादसे पर बयान जारी करते हुए कहा है, कि यह घटना अत्याधिक खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण घटित हुई है। भारतीय सेना ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि हादसे की विस्तृत जांच की जा रही है। इसके साथ ही घायलों का बेहतर इलाज किया जा रहा है। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है।

उपराज्यपाल ने जताया शोक

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। एलजी ने कहा, कि भारतीय सेना के बहादुर जवानों की शहादत पर गहरा दुख है। राष्ट्र उनके बलिदान और सेवा को हमेशा याद रखेगा।

गोरखपुर में दो छात्रों ने वेबसाइट हैक कर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी

गोरखपुर । गोरखपुर के बीबीए की तैयारी करने वाले दो छात्रों ने क्वीन ऋूज की वेबसाइट हैक कर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की। आरोपितों में राजन साहनी और शिवम निषाद शामिल हैं। इन दोनों ने ऋूज के टिकटों को एक रुपये में बुककर, 31 दिसंबर को पार्टी की थी। पुलिस और एसटीएफ ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, शिवम और राजन ने एप का इस्तेमाल कर वेबसाइट हैक कर उसके द्वारा टिकट बुक किए। पहले, 27 दिसंबर को राजन ने एक टिकट बुक किया था, इसके बाद शिवम ने फिर से 31 दिसंबर को चार टिकट बुक किए, जिसकी कुल कीमत 12 हजार रुपये थी। धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ जब साफ्टवेयर मैनेजर ने ऋूज के खातों की जांच की। तब पता चला कि वेबसाइट में भुगतान सफल दिखने के बावजूद, सिर्फ एक रुपये ही खाते में जमा हुए थे। जांच में शिवम के पास से लैपटॉप और महंगे मोबाइल बरामद हुए, जो कि शिवम ने धोखाधड़ी से कमाए गए पैसों से खरीदा था।

दिल्ली और पंजाब को दहला सकते हैं आंतकवादी, खुफिया विभाग का अलर्ट

नई दिल्ली । नए साल के शुरू होते ही देश की खुफिया एजेंसियों ने एक बड़ा आतंकी अलर्ट जारी कर दिया है। खुफिया विभाग को पाकिस्तान और बांग्लादेश के आतंकियों की एक बड़ी साजिश का पता चला है। इसके के मुताबिक, दिल्ली और पंजाब को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और बांग्लादेश के आतंकवादी निशाना बना सकते हैं। आईएसआई भारत में सीरियल बम ब्लास्ट करने की योजना बना रही है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, आईएसआई और पाकिस्तान में मौजूद इस्लामिक आतंकवादी संगठन, बांग्लादेश की मदद से भारत में सिलसिलेवार बम धमाके करने की तैयारी में हैं। ये आतंकी संगठन बड़े शहरों में व्यस्त इलाकों को अपना निशाना बना सकते हैं। आतंकी संगठन बांग्लादेश और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकियों के साथ मिलकर भारत के प्रमुख शहरों में हमला कर सकते हैं। खासकर नई दिल्ली, पंजाब और अन्य मेट्रो शहरों के व्यस्ततम इलाकों को निशाना बनाया जा सकता है।

अब 18 साल से कम उम्र के बच्चे नहीं बना सकेंगे सोशल मीडिया अकाउंट

केंद्र सरकार ने बच्चों की डेटा सुरक्षा और गोपनीयता को लेकर उठाया कदम

नई दिल्ली। (एजेंसी)

केंद्र सरकार ने बच्चों की डेटा सुरक्षा और ऑनलाइन गोपनीयता को सुनिश्चित करने एक अहम कदम उठाया है। अब 18 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाने के लिए उनके माता-पिता या अभिभावक की इजाजत लेना जरुरी होगा। यह फैसला इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी किए गए व्यक्तिगत डिजिटल डेटा संरक्षण अधिनियम (डीपीडीपी) 2023 के तहत लिया गया है।

इस कदम का उद्देश्य बच्चों को ऑनलाइन खतरों, गलत सूचनाओं और साइबर बुलिंग से बचाना है। इस नीति के तहत बच्चों को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जिम्मेदारी से गतिविधियां करने की उम्मीद है, जबकि उनके डेटा की सुरक्षा भी तय की जाएगी। माता-पिता को इसमें शामिल करने से यह तय हो जाएगा

कि वे अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर निगरानी रख सकें। यदि कोई सोशल मीडिया कंपनी या डेटा फिड्यूशरी इन नियमों का पालन नहीं करती है, तो उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

यह कदम कंपनियों को ज्यादा जिम्मेदार बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है, ताकि वे बच्चों के डेटा की सुरक्षा और संबंधित नियमों का पालन गंभीरता से करें। सरकार ने इन नियमों को लागू करने से पहले नागरिकों, संगठनों और तकनीकी विशेषज्ञों से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। इसके लिए 18 फरवरी तक का समय तय किया है। प्राप्त सुझावों का गहराई से अध्ययन किया जाएगा और आवश्यकता अनुसार मसौदे में बदलाव किया जाएगा। इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह तय करना है कि ये नियम सभी के लिए उचित और प्रभावी हों।

वर्तमान मसौदे में उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन जुर्माने का प्रावधान नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है। सरकार ने इसे सलाहकार और दिशा-निर्देश के तौर पर जारी किया है और भविष्य में यदि कंपनियां इन नियमों का उल्लंघन करती हैं, तो सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। आज के समय में जब स्मार्टफोन का उपयोग बढ़ रहा है, छोटे बच्चे भी सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं।

केजरीवाल का दावा, आप के खिलाफ दिल्ली में गठबंधन करके लड़ रही कांग्रेस और भाजपा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

पंजाब की महिलाओं के समूह ने शनिवार को दिल्ली में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर विरोध कर दावा किया कि पंजाब विधानसभा चुनावों के दौरान उनके द्वारा किए गए वादे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। इस प्रदर्शन पर आप के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, वे महिलाएं उनकी (कांग्रेस और भाजपा) पार्टी की हैं।

वे पंजाब से नहीं आई हैं, पंजाब की महिलाएं हमारे साथ हैं। उन्हें आप पर भरोसा है। कांग्रेस और भाजपा को आधिकारिक तौर पर घोषणा करनी चाहिए कि वे दिल्ली में आप के खिलाफ मिलकर चुनाव लड़ रही हैं। केजरीवाल ने कहा, दिल्ली में हमारी सरकार पिछले 10 सालों से लोगों को मुफ्त पानी दे रही है। 12 लाख से ज्यादा परिवारों को 0 पानी का बिल आता है। लेकिन मेरे जेल जाने के बाद, मुझे नहीं पता कि इन लोगों ने क्या किया। इन लोगों ने कुछ गलत किया और हर महीने हजारों-लाखों रुपये का पानी का बिल आना शुरू हो गया। मैं सार्वजनिक रूप से और आधिकारिक तौर पर घोषणा करना चाहता हूं कि जिन लोगों को लगता है कि उनके बिल गलत हैं, उन्हें अपने पानी के बिल का भुगतान करने की जरूरत नहीं है, उन्हें इंतज़ार करना चाहिए। चुनाव के बाद आप की सरकार बनेगी और हम उनके गलत बिलों को माफ करवाएंगे। यह मेरा सभी लोगों से वादा है, यह मेरी गारंटी है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे से अलका लांबा ने की मुलाकात, आतिशी के खिलाफ लड़ेंगी चुनाव

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने एक और उम्मीदवार की सूची जारी की है, जिसमें अलका लांबा को दिल्ली की मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार आतिशी के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा गया है। इसी सिलसिले में अलका लांबा पार्टी अध्यक्ष खड़गे से आशीर्वाद लेने उनके कार्यालय पहुंचीं हैं। गौरतलब है कि कांग्रेस ने अलका लांबा को कालकाजी विधानसभा सीट से पार्टी का टिकट दिया है। अलका लांबा ने साल 2025 के पहले दिन कालकाजी मंदिर में दर्शन किए थे, जिसके बाद सोशल मीडिया पर यह चर्चा शुरू हो गई थी कि वह कालकाजी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकती हैं।

कांग्रेस ने इन चर्चाओं को सच साबित करते हुए उन्हें इस सीट से प्रत्याशी घोषित कर दिया है। अब वह मौजूदा विधायक और सीएम आतिशी के खिलाफ चुनावी मुकाबले में होंगी।

इस बीच अलका लांबा कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे से मुलाकात कर उनसे आशीर्वाद लिया है। यह कदम कांग्रेस की दिल्ली विधानसभा चुनाव की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें पार्टी ने कई अन्य उम्मीदवारों को भी मैदान में उतारा है।

सीबीआई को राज्यों में तैनात केंद्र के अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए राज्यों की अनुमति की जरुरत नहीं

नई दिल्ली । (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने कहा हैं कि सीबीआई को राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों में तैनात केंद्र के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए राज्य सरकारों की अनुमति की जरुरत नहीं है। जस्टिस सी.टी. रविकुमार और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश को पलट दिया जिसमें भ्रष्टाचार के मामले में दो केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई जांच को रद्द किया गया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि तैनाती के स्थान पर ध्यान दिए बिना, पूर्वोक्त तथ्यात्मक स्थिति यह दिखाती है कि वे केंद्र सरकार के कर्मचारी/ केंद्र सरकार के उपक्रम के कर्मचारी थे और कथित रूप से उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गंभीर अपराध किया है, जो एक केंद्रीय अधिनियम है। यह मामला आंध्र प्रदेश में कार्यरत केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी से उत्पन्न हुआ। उन्होंने सीबीआई के अधिकार क्षेत्र को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, इसमें तर्क दिया गया था कि दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (डीएसपीई अधिनियम) के तहत अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य द्वारा सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति, विभाजन के बाद नवगठित आंध्र प्रदेश राज्य पर स्वतः लागू नहीं होती। उच्च न्यायालय ने आरोपियों से सहमति जाहिर की, जिन पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज हुआ था, प्राथमिकी रद्द कर इस बात पर जोर दिया कि आंध्र प्रदेश से नए सिरे से सहमति लेना आवश्यक है। जस्टिस रविकुमार, जिन्होंने 32 पृष्ठ का निर्णय लिखा था, हाई कोर्ट की व्याख्या से असहमत थे। साथ ही, उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट ने सीबीआई की जांच के लिए राज्य से नए सिरे से सहमति मांगने में गलती की थी। पीठ ने कहा कि डीएसपीई अधिनियम के तहत राज्य द्वारा दी गई सामान्य सहमति केंद्रीय अपराधों से संबंधित सीबीआई जांच के लिए पर्याप्त है और इसके लिए नई सहमति जैसी राज्य-विशिष्ट औपचारिकताओं की आवश्यकता नहीं है।

इस बार का डिजिटल महाकुंभ होगा ज्यादा आकर्षक

डेटा और तकनीक, एआई और चैटबॉट का इस्तेमाल.....

प्रयागराज । (एजेंसी)

इस बार डेटा और तकनीक का इस्तेमाल कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को कुंभ में आने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। हम पहली बार एआई और चैटबॉट तकनीक का इस्तेमाल हो रहा हैं। यह भारतीय भाषाओं में संवाद करने में सक्षम है। यह बात पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में कही थी। 2019 का अर्द्ध कुंभ केंद्र और प्रदेश की बीजेपी सरकार के लिए पहला था। तब योगी सरकार ने दिव्य और भव्य कुंभ का स्लोगन दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने इस डिजिटल कुंभ कहा है। संगम की रेती पर पहली बार बसने जा रहा है 'डिजिटल कुंभ मेला।' प्रधानमंत्री ने अपने पूरे भाषण में कई बार इशारा भी किया कि इस बार कुंभ में तकनीक का इस्तेमाल कर श्रद्धालुओं की यात्रा का आसान करेगा। मेला क्षेत्र में जगह-जगह बड़े-बड़े होर्डिंग लगे हैं। इन पर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी की फोटो के साथ ही दिव्य, भव्य और डिजिटल कुंभ का स्लोगन लिखा है। हर होर्डिंग के नीचे क्यूआर कोड भी लगे हैं। जिन्हें स्कैन करते ही श्रद्धालु कुंभ के वर्चुअल संसार में पहुंच जाएंगे। उन्हें कुंभ से जुड़ी छोटी-बड़ी सभी जानकारी मिल जाएगी। इन्हें स्कैन कर देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु अपने स्मार्टफोन पर कुंभ का वर्चुअल टूर कर सकते हैं।

आखिर क्या है यह डिजिटल कुंभ

यह समझने के लिए सबसे पहले कुंभ मेला क्षेत्र में बने कंट्रोल रूम पहुंचे। यहां लगे 100 से ज्यादा कंप्यूटर और स्क्रीन पर मेला क्षेत्र की चप्पे-चप्पे की तस्वीर और लाइव वीडियो की 24 घंटे मॉनिटरिंग हो रही है। पूरे काम की निगरानी कर रहे अधिकारी ने बताया, कोई हार्डकोर क्रिमिनल, आतंकी या अपराधी अगर मेला क्षेत्र में आता है, तब पकड़ा जाएगा। इसकी मॉनिटरिंग फेस रिकग्निशन (एफआर) कैमरे से की जा रही है। कुछ ही सेकेंड में उससे जुड़ा डेटा एआई से पुलिस कंट्रोल रूम में मौजूद डेटा बेस से मैच होगा और उसके फेस पर रेड-

फ्लैग लग जाएगा। इसके बाद वह जहां-जहां जाएगा, सभी कैमरे उसकी लगातार मॉनिटर करते रहने वाले है। यह अलर्ट कंट्रोल रूम के साथ मेले में मौजूद सभी पुलिसकर्मियों के फोन पर भी जाएगा और संदिग्ध गिरफ्त में होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोई लौटा दे मेरे बीते हुए मान सम्मान के दिन

साथियों बात अगर हम पुराने दिनों की यादों की करें तो इसकी शुरुआत हम बचपन के दिनों से करते हैं, मेरा मानना है कि सबको अपने बचपन के दिनों में अधिक सुकून मिला होगा, हर किसी को अपना बचपन याद आता है। हम सबने अपने बचपन को जीया है। शायद ही कोई होगा, जिसे अपना बचपन याद न आता हो। बचपन की अपनी मधुर यादों में माता-पिता,भाई- बहन, यार-दोस्त, स्कूल के दिन, आम के पेड़ पर चढ़कर चोरी से आम खाना, खेत से गन्ना उखाड़कर चूसना और खेत मालिक के आने पर नौ दो ग्यारह हो जाना हर किसी को याद है। चोरी और चिरौरी तथा पकड़े जाने पर साफ झूठ बोलना बचपन की यादों में शुमार है।

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानीं)

वर्ष 1964 में दूर गगन की छांव में फिल्म का गीत कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन सुनकर आज कई बड़े बुजुर्ग, विपत्ति पीड़ितों, दुखियारों की आंखों में आंसू आ जाते हैं और अपने बीते हुए दिनों की यादों में खो जाते हैं जो रेखांकित करने वाली बात है, जिसपर हमारे आज के युवा राष्ट्र के युवाओं को इस पर मंथन करने की ज़रूरत है कि आखिर क्यों? वर्तमान प्रौद्योगिकी युग में भी मनीषियों द्वारा अपने पुराने दिनों को अच्छे दिन बताया जाता है। हालांकि यह गीत 1964 का है याने आज से 58 वर्ष पूर्व भी उस समय के बुजुर्गों के भाव ऐसे थे याने जैसे जैसे समय का चक्र अपनी तेज रफ्तार से चल रहा है, हर स्थिति को बदलता जा रहा है, विज्ञान प्रौद्योगिकी डिजिटलाइजेशन में तीव्रता से विकास स्वभाविक और समय की मांग है,परंतु आज माता- पिता बेटा-बेटी भाई- बहन संयुक्त परिवार से एकल परिवार और एकल परिवार में भी बहुत खटास के बढ़ते जाने को रेखांकित कर आज हर व्यक्ति को अपने आपसे प्रश्न पूछने को की जरूरत है कि क्यों उसे बीते हुए सुहाने दिनों की लालसा है? क्यों नहीं अपने स्वभाव में,जीवन शैली में परिवर्तन लाकर खुद और परिवार के बीते हुए दिनों की मिठास ला सकते हैं। आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से रिश्तों में मिठास लाकर अपने बीते हुए दिनों को लौटाने पर, खुशहाल करने पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम पुराने दिनों की यादों की करें तो इसकी शुरुआत हम बचपन के दिनों से करते हैं, मेरा मानना है कि सबको अपने बचपन के दिनों में अधिक सुकून मिला होगा, हर किसी को अपना बचपन याद आता है। हम सबने अपने बचपन को जीया है। शायद ही कोई होगा, जिसे अपना बचपन याद न आता हो। बचपन की अपनी मधुर यादों में माता-पिता,भाई- बहन, यार-दोस्त, स्कूल के दिन, आम के पेड़ पर चढ़कर चोरी से आम खाना, खेत से गन्ना उखाड़कर चूसना और खेत मालिक के आने पर नौ दो ग्यारह हो जाना हर किसी को याद है। चोरी और चिरौरी तथा पकड़े जाने पर साफ झूठ बोलना बचपन की यादों में शुमार है। बचपन से पचपन तक यादों का अनोखा संसार है।

साथियों, छुटपन में धूल-गारे में खेलना, मिट्टी मुंह पर लगाना, मिट्टी खाना किसे नहीं याद है? और किसे यह याद नहीं है कि इसके बाद मां की प्यारभरी डांट-फटकार व रुंआसे होने पर मां का प्यारभरा स्पर्श! इन शैतानी भरी बातों से लबरेज है सारा बचपन।इसलिए पुराने दिनों की याद कर आज भी हम कहते हैं, हम भी अगर बच्चे होते, हम भी अगर बच्चे होते, नाम हमारा होता गबलू-बबलू, खाने को मिलते लड्डू,और दुनिया कहती हैप्पी बर्थडे टू यू,।

साथियों बात अगर हम अपने युवापन के यादों की करें तो हमारे रिश्तो में कुछ और रिश्तो की कड़ियां जुड़ी, हमें माँ बाप भाई बहन पति पत्नी सास ससुर न जाने कितने रिश्तों में जोडा है ये रिश्ते आसानी से जुड़ गए, जिससे बचपन की अपेक्षा स्थिति कुछ कठिन हुई रिश्तो में अपेक्षाकृत प्यार कम होता चला गया, लेकिन अब हम इन्हें कैसे बनाते है, अच्छा या बुरा ,मजबूत या कमजोर ये हम पर निर्भर करता है और हर रिश्ता भावनाओ और आपसी समझ से एक दूसरे को जोड़ता है। और इन्हें प्यार के रिश्ते कहते है, और जो रिश्ता प्यार का और भावनाओ का बनता है उन्हें तोडना भी बहुत मुश्किल है। और जिन रिश्तों में प्यार और भावनाये नही है वो शायद समाज के आगे दिखावे के लिए जुड़े भी रहे लेकिन दिल में ज्यादा दिन तक रहते है। अब जैसे पति और पत्नी दोनों एक दूसरे के लिए अनजान है और न ही इनका खून का रिश्ता होता है। फिर भी ये एक दूसरे के लिए बहुत खास होते है क्यों की इनका प्यार और आपसी समझ और भावनाये इन्हें हमेसा जोड़े रखती है। और कहीं कहीं खून के रिश्ते भी कमजोर पड़ जाते है,जैसे भाई भाई की नहीं बनती भाई बहन की नही बनती पति पत्नी की नहीं बनती।

साथियों बात अगर हम समय के साथ बदलते चक्र में रिश्तो को निभाने की करें तो, सहनशीलता, विश्वास आपसी प्रेमरिश्तों को निभाने के लिए सहनशीलता और धैर्य बहुत आवश्यक है, हर रिश्ता बलिदान मांगता है, चाहे वो पति पत्नी का हो, या बहन भाई का या सास बहू का, अगर हम सबंधो को मधुर रखना है पुराने बीते हुए दिन वापस लाना है तो बहुत सी बातों को नजरअंदाज करना पड़ेगा, धैर्य रखना पड़ेगा और समय पड़ने पर बलिदान भी देना होगा चाहे वो गर्मी की रात में बिना कूलर के सोना हो, या जून की दोपहर में भाई के बच्चे को स्कूल से लाना हो एक दूसरे पर विश्वास, और सम्मान दूसरे सबसे महत्वपूर्ण कारण हैं जो आपसी संबंधों में मधुरता बरक़रार रखेंगे।परिवार एकता के सूत्र में बंधा रहे उसके लिए बचपन से ही घर के तमाम सदस्यों में एक दूसरे का सम्मान और परस्पर प्रेम की भावना विकसित करना भी बेहद आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में पुराने रिश्तों के सुकून भरे दिनों और वर्तमान रिश्तो की करें तो हम जरूर पुराने दिनों की बहुत याद आएगी क्योंकि आज प्यार भावना मान-सम्मान सहनशीलता संवेदनशीलता अपेक्षाकृत कम है इसलिए रिश्तो में खटास,रिश्तों में खटास आई, यह तब ही आती है जब हम ज्यादा स्वार्थी और अभिमानी बनने लगते है तो सबसे पहले अपने आप में सुधार करें।दुसरे की भावनाओ की कद्र करना सीखें।थोड़ा लेट-गो करें क्योंकि गलतीयां हर किसीसे होती ही है। अपनी लेंग्वेज को सुधारे क्योंकि हम जैसे बोलते है वैसा ही प्रभाव सामनेवाले व्यक्ति पर पडता है इसलिए अपने बोलने के ढंग को मोहक और मीठा बनाए।सामने वाले की बुराईयों की जगह उनकी अच्छाइयों पर ज्यादा ध्यान दें।कभी कभार कोई अच्छा सा तोहफा देकर रिश्ते में मिठास बढ़ाए।अपने आप के कर्तव्यों को समजते हुए सामने वाले की केर करें हंमेशा कुछ भी अच्छा करने की शुरुआत खुद से ही करें।और सबसे महत्वपूर्ण बात की अपनी गलती को स्वीकार करना सीखें और माफ़ी मांग लें अपने विचारों को संकुचित मत रखें , दिल से उदार बनें।किसी भी बात का बिना सोचे समझे उतर न दें मतलब की अपने गुस्से को काबू करना सीखें क्योंकि समय आने पर सब कुछ सही हो जाता है।अगर किसीने गुस्से से कभी कुछ सुना दिया हो तो उसको दील पे मत ले और माफ करना सीखें। अगर बात ज्यादा बढ गई हो तो थोडे दिन के लिए सिर्फ उससे बात करना बंद कर दीजिये थोडे ही दिन में सबकुछ ठीक हो जाएगा। भावनाए रिश्तों की जान होती है इसलिए अपनी अच्छी भावनाओ को हंमेशा व्यक्त करते रहे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वर्तमान डिजिटल युग में भी पुराने बीते हुए सुहाने दिनों की लालसा क्यों है?कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन वर्तमान प्रौद्योगिकी युग में भी मनीषियों द्वारा अपने पुराने दिनों को अच्छे दिन बताने को रेखांकित कर सकारात्मक उपायों पर मंथन करना जरूरी है।

(-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

संपादकीय

ज़हरीला भूजल

हरित क्रांति के अगुआ बनकर देश के खाद्यान्न संकट दूर करने वाले राज्य पंजाब व हरियाणा का भूजल चिंताजनक स्तर तक दूषित पाया गया है। धान व अन्य फसलों की बंपर पैदावार के लिये भूजल का अंधाधुंध दोहन करने वाले इन राज्यों का भूजल का स्तर उस गहराई तक जा पहुंचा है, जहां उसमें यूरेनियम जैसे घातक पदार्थों की मात्रा गंभीर स्थिति तक जा पहुंची है। पूरे देश में भूजल की गुणवत्ता की जांच के लिये लिये गए बीस फीसदी सैंपल निर्धारित कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं। इन सैंपलों में नाइट्रेट का स्तर सीमा से अधिक मिला है। पानी की गुणवत्ता को लेकर केंद्रीय भूजल बोर्ड की सालाना रिपोर्ट गंभीर चिंताओं का खुलासा करती है। जहां अरुणाचल, मिजोरम, मेघालय, जम्मू- कश्मीर आदि के सौ फीसदी सैंपल भारतीय मानक ब्यूरो के मानकों पर खरे उतरे हैं, वहीं पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उ.प्र. तथा आंध्र प्रदेश में पानी बड़े पैमाने पर प्रदूषित मिला है। देश में कुल 15,259 भूजल निगरानी स्थानों का चयन पानी की क्वालिटी नापने के लिये किया गया। मगर पंजाब के पानी के नमूने में मिले घातक तत्व चिंता बढ़ाने वाले हैं। पंजाब के भूजल में तीस फीसदी सैंपलों में अधिक यूरेनियम पाया गया। फिक्र की बात यह है कि पंजाब व राजस्थान यूरेनियम प्रदूषण के मद्देनजर हॉट स्पॉट हैं। दरअसल, यूरेनियम के अधिक प्रदूषण का मुख्य कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। जो भूजल स्रोत अधिक यूरेनियम वाले क्लस्टर हैं, वे अति दोहित, गंभीर व अर्धगंभीर श्रेणी वाले इलाके हैं। वास्तव में भूजल के अंधाधुंध दोहन से पानी का स्तर उस स्थान तक जा पहुंचा है, जहां पानी में यूरेनियम अधिक है। जो कि कैंसर जैसी अनेक गंभीर बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। हाल के वर्षों में पंजाब के कई इलाकों में कैंसर के अधिक मामले सामने आए हैं। यहां तक कि पंजाब से राजस्थान रोगियों को इलाज के लिए ले जाने वाली ट्रेन को कैंसर ट्रेन तक कहा जाता रहा है। निश्चित रूप से केंद्रीय भूजल बोर्ड की यह रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। हमने मुनाफा बढ़ाने के लिये जिस भूजल का अंधाधुंध दोहन किया है वह अब अपना नकारात्मक प्रभाव दिखाने लगा है। निश्चित रूप ने कुदरत ने हमें आवश्यकता का जल तो दिया है लेकिन उसके अनियंत्रित दोहन की अनुमति नहीं दी है। पंजाब बड़े पैमाने पर धान की खेती करता रहा है। हालांकि, पंजाब के भोजन में चावल प्राथमिक नहीं रहा है। लेकिन व्यावसायिक हितों की पूर्ति के लिये धान की खेती को प्रश्रय दिया गया। इस खेती की वजह धान की फसल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य का मिलना भी है। अब किसानों को फसलों के विविधीकरण के लिये प्रेरित किया जाना चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग संकट के मद्देनजर यह चुनौती और गंभीर हो जाती है क्योंकि वर्षा जल के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। जिसके चलते सूखे व बाढ़ जैसी स्थितियां कभी भी पैदा हो जाती हैं। ग्लोबल वार्मिंग के संकट के मद्देनजर उन फसलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो कम पानी में उग सकें और अधिक मुनाफा दे सकें। सरकारों की ओर से मुफ्त सिंचाई की सुविधा के सवाल पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए। दरअसल, हमें जो चीज मुफ्त उपलब्ध हो जाती है, हम उसके उपयोग में किफायत नहीं बरतते। हमें हर मुफ्त चीज की बड़ी कीमत कालांतर चुकानी पड़ती है। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट राजस्थान व गुजरात के भूजल में निर्धारित मानक से अधिक फ्लोराइड होना बताती है। यहां एक विचारणीय प्रश्न यह भी है कि कई स्थानों पर मानसून के बाद पानी गुणवत्ता में सुधार देखा गया।

स्कूलों में छात्रों की संख्या का घटना चिन्ताजनक

(लेखक-ललित गर्ग)

शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्कूलों की संख्या बढ़ रही है, पर स्कूली छात्रों की संख्या घट रही है। स्कूली छात्रों की संख्या घटना न केवल चिंताजनक और विचारणीय है बल्कि नये भारत-सशक्त भारत निर्माण की एक बड़ी बाधा भी है। भारत में स्कूलों की संख्या में करीब 5,000 की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों सहित 14,89,115 स्कूल हैं। ये स्कूल 26,52,35,830 छात्रों को पढ़ाते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों को उनकी प्रतिष्ठा, स्थापना के वर्षों, महत्वपूर्ण स्कूल परिणामों, मार्केटिंग रणनीतियों आदि के कारण उच्च छात्र नामांकन प्राप्त होते हैं लेकिन पर साल 2022-23 व 2023-24 के बीच स्कूली छात्रों के नामांकन में 37 लाख की कमी आई है। यह स्थिति अनेक सवाल खड़े करती है। क्या स्कूली शिक्षा ज्यादातर बच्चों की पहुंच के बाहर है? क्या शिक्षा का आकर्षण पहले की तुलना में घटा है?

भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने समृद्ध इतिहास और विविध संस्कृति के साथ, भारत में एक जटिल और विशाल शैक्षिक परिदृश्य है। भारत में शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा सहित विभिन्न चरण शामिल हैं। महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। डेटा एग्रीगेशन प्लैटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की यह ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है। बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर होने के बावजूद छात्रों की संख्या का घटना गहन विमर्श का विषय है।

शिक्षा मानव-जीवन के विकास का आधार स्तंभ है। शिक्षा के अभाव में मानव-जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। यह मनुष्य को उत्कृष्टता एवं उच्चता के शिखर पर स्थापित करती है। शिक्षा प्रकाश एवं शक्ति का ऐसा स्रोत है जो नये भारत के विकास का आधार है। जो हमारी शारीरिक, मानसिक, भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का निरन्तर सामंजस्यपूर्ण विकास करके नये भारत, सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूती देता है। देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन छात्रों के नामांकन में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला छात्रों का नामांकन 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी श्रेणियों यानी लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि में है। जहां तक शिक्षा के बीच में छात्रों के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्तर में होने वाली बढ़ोतरी ज्यादा परेशान करने वाली है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2 प्रतिशत है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9 प्रतिशत हो जाती है। इसके पीछे ओबीसी और एससी-एसटी श्रेणी के छात्रों को दाखिले के दौरान होने वाली जटिल प्रक्रिया, मुश्किलें और किसी अभावग्रस्त छात्र के लिए आर्थिक मदद या छात्रवृत्ति जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है।

छात्रों के नामांकन की घटती संख्या को जाति के आधार पर अगर देखें, तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के नामांकन में 25 लाख से अधिक, अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्रों में 12 लाख और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के छात्रों में दो लाख की गिरावट हुई है। नामांकन से वंचित हुए अल्पसंख्यक छात्रों की संख्या तीन लाख है, जबकि इनमें से एक तिहाई मुस्लिम हैं। भारत में नई पीढ़ी को यथोचित शिक्षा नहीं मिल पा रही है। शिक्षा से वंचित रहने के जो कारण हैं, उनमें सबसे बड़ा कारण गरीबी है। सरकारी स्तर पर सरकारों ने गरीब छात्रों के लिए अनेक इंतजाम किए हैं, पर इन इंतजामों का सभी छात्रों तक समान रूप से पहुंचना आसान नहीं है। निचले स्तर पर शिक्षकों और शिक्षा कर्मचारियों को जितना सजग होना चाहिए, उतना सजग वे नहीं हो पा रहे हैं। भारत जैसे देश में शिक्षा एक अभियान है, इसके लिए अगर नियोजित एवं उत्साहपूर्ण माहौल न बनाया जाए, तो गरीब व वंचित बच्चों तक शिक्षा को पहुंचाना चुनौतीपूर्ण है। कोई संदेह नहीं कि किसी भी अभियान में अगर समर्पित लोग आपके पास नहीं हैं, तो फिर उस अभियान की सफलता संदिग्ध हो जाती है।

भारत में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की जरूरत है। यदि हमें सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करना है और सही दिशा में आगे बढ़ना है तो कई पहलुओं एवं मोर्चों पर काम करना आवश्यक है। हमारी आजादी के बाद से ही शिक्षा क्षेत्र में कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन्होंने हमें दुनिया में एक विकसित राष्ट्र बनने से रोक दिया है। भारत में एक सभ्य शिक्षा प्रणाली के महत्व की जरूरत को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नयी शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। देश की शिक्षा प्रणाली को नया आकार दिया जा रहा है और शिक्षा से जुड़े कई बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। प्रणाली को आधुनिक बनाने और व्यावसायिक प्रशिक्षण शुरू करने के प्रयास हो रहे हैं। बहरहाल, यह खुशी की बात है कि अब भारत के 91.7 प्रतिशत स्कूलों तक बिजली पहुंच चुकी है। अभियान चलाकर देश के बाकी बचे स्कूलों तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। देश में 98 प्रतिशत से ज्यादा स्कूलों तक पेयजल सुविधा के साथ ही टॉयलेट की सुविधा पहुंच चुकी है।

स्कूलों को संसाधन संपन्न बनाने के साथ ही शिक्षकों और पुस्तकों की गुणवत्ता एवं स्कूलों को संसाधन के स्तर पर भी बहुत मजबूत करने की जरूरत है। भारत के 60 प्रतिशत स्कूलों में भी कंप्यूटर उपलब्ध नहीं हैं और इंटरनेट की सुविधा वाले स्कूलों की संख्या 50 प्रतिशत से भी कम है। आज के समय में जब हमें बड़े पैमाने पर कुशल कामगारों की जरूरत पड़ेगी, तब किसी का कंप्यूटर शिक्षा से वंचित होना बहुत महंगा पड़ेगा। आज के समय में हर छात्र या हर नागरिक को कंप्यूटर और इंटरनेट का सामान्य ज्ञान होना ही चाहिए। कंप्यूटर आज के समय में विलासिता नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य जरूरत है।

(चिंतन-मनन)

यक्ष-प्रश्न की युगीन व्याख्या

महाभारत में एक कथा आती है। अज्ञातवास के दौरान पांडवों को घूमते हुए प्यास लगी। नकुल पानी ढूँढते-ढूँढते जलाशय के पास पहुँचे। जैसे ही वे पानी पीने को उद्यत हुए, एक यक्ष ने उन्हें रोक दिया और कहा कि मेरे प्रश्नों का उत्तर देने के बाद ही तुम पानी पी सकते हो। नकुल और अन्य भाइयों को जोर की प्यास लग रही थी, अतः वे बिना यक्ष के प्रश्नों का उत्तर दिए ही पानी पीने लगे और मृत्यु को प्राप्त हुए। जब युधिष्ठिर की बारी आई तो उन्होंने न केवल यक्ष के सभी प्रश्न ध्यानपूर्वक सुने अपितु उनका तर्कपूर्ण उत्तर भी दिया जिसे सुनकर यक्ष संतुष्ट हो गया। यक्ष द्वारा युधिष्ठिर से पूछे गए प्रश्नों में एक प्रश्न स्थायित्व, धैर्य, स्नान और दान से संबंधित भी था। यक्ष ने युधिष्ठिर से पूछा कि स्थायित्व किसे कहते हैं? धैर्य क्या है? स्नान किसे कहते हैं? और दान का वास्तविक अर्थ क्या है? युधिष्ठिर ने इन प्रश्नों का जो उत्तर दिया, वह इस प्रकार था- अपने धर्म में स्थिर रहना ही स्थायित्व है। अपनी इन्द्रियों पर नियंत्रण रखना ही धैर्य है। मनोमालिन्य का त्याग करना ही स्नान है और प्राणीमात्र की रक्षा का भाव ही वास्तव में दान है। महाभारत में एक कथा आती है। अज्ञातवास के दौरान पांडवों को घूमते हुए प्यास लगी। नकुल पानी ढूँढते-ढूँढते जलाशय के पास पहुँचे। जैसे ही वे पानी पीने को उद्यत हुए, एक यक्ष ने उन्हें रोक दिया और कहा कि मेरे प्रश्नों का उत्तर देने के बाद ही तुम पानी पी सकते। महाभारतकालीन यक्ष-युधिष्ठिर संवाद के प्रश्नों के उत्तर की प्रासंगिकता उस युग की तुलना में आज कहीं अधिक है। स्थायित्व या सिद्धांतवादिता को लोगों ने हठधार्मिता का रूप दे दिया है, जबकि संकल्प की दृढ़ता या स्थायित्व से आशय अपने कर्तव्य के प्रति दृढ़ता से है। उसे भौतिक सुख-समृद्धि से जोड़ना गलत है। धैर्य को लेकर भी समाज में अनेक गलत धारणाएँ प्रचलित हैं। हाथ पर हाथ धरे निठल्ले और आलसी बनकर अवसर की प्रतीक्षा करना धैर्य का पर्याय कभी नहीं हो सकता है। मनुष्य द्वारा श्रेष्ठ कार्यों के प्रति सक्रिय, तत्पर और आतुर बने रहकर अपनी समस्त इन्द्रियों पर अंकुश पाकर सदाचार का जीवन व्यतीत करना ही वास्तव में धैर्य है। शास्त्र और साधु-महात्माओं के प्रवचनों में पवित्र नदियों में स्नान की महिमा का बढ़-चढ़कर बखान किया गया है। लेकिन जब तक हमारे मन की मलीनता नहीं मिटती, तब तक बड़ी से बड़ी नदी में किया गया स्नान भी पूर्ण फलदायी नहीं होगा। अतः जिसने अपने मन को ऊँच-नीच, ईर्ष्या-द्वेष, तेरा-मेरा, बड़ा-छोटा आदि के भेद से पूरी तरह मुक्त कर गंगाजल की तरह पवित्र बना लिया, वह भले ही सौ दिन से नहीं नहाया हो, तब भी उसे सबसे पवित्र इंसान माना जाएगा। दान के बारे में भी लोगों को कई तरह की गलतफहमियाँ हैं। जो सक्षम हैं, वे मुट्ठी-दो मुट्ठी दान कर दाता भाव के अभिमान से चूर हो फूले नहीं समाते हैं।

विचार मंथन

ओवर कॉन्फिडेंस में अमेरिका में बुरी तरह से फंसे अडानी- बचना मुश्किल

(लेखक-सनत जैन)

अमेरिका की न्यूयॉर्क स्थित अदालत में भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी, उनके भतीजे और 2 अन्य के खिलाफ 265 मिलियन अमेरिकी डॉलर जो भारतीय मुद्रा में 2029 करोड रुपए की रिश्वत भारत में बांटने के आरोप में 3 मुकदमे दर्ज हुए हैं। न्यूयॉर्क स्थित जिला न्यायाधीश निकोलस जी गेरोफिस की अदालत में तीनों मामले एक साथ चलेंगे। इसमें एक मामला यूएस बनाम अदानी एवं अन्य का आपराधिक मामला है। वही दूसरा मामला एसईसी बनाम अदानी एवं अन्य दीवानी मामला है। तीसरा मामला एसईसी बनाम केबनेश है.यह सिविल मामला है। अमेरिका की कोर्ट में दीवानी और सिविल मामले में यदि अपराध को स्वीकार कर लेते हैं। ऐसी स्थिति में जुर्माना देकर समझौता किया जा सकता है। लेकिन आपराधिक मामले में सजा एवं आर्थिक दंड का प्रावधान होता है। अमेरिका की अदालत में अदानी भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने के मामले में बुरी तरह से फंस गए हैं। अमेरिका के प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा लगभग 2 साल जांच की गई है। जांच के बाद अभियोजन पक्ष ने जो सबूत जुटाए हैं। वह सभी सबूत अदानी के खिलाफ जा रहे हैं। अमेरिका की अदालत में प्रमाणिक सबूतों को नकारना अमेरिकी अदालतों में संभव नहीं होता है। अदानी समूह द्वारा अभी तक आरोपों से इनकार किया जा रहा है। जब तीनों मामले अदालत में एक साथ चलेंगे, तब अदानी समूह के लिए आरोपों से बचना मुश्किल है। अभियोजन पक्ष का कहना है, अदानी समूह ने अमेरिकी बैंकों और निवेशकों से जो जानकारी छुपाई है। वह अमेरिका में गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। अमेरिका में चल रहे तीनों मुकदमों के कारण अदानी समूह की अंतरराष्ट्रीय छवि पर विपरीत प्रभाव पडना तय है। अमेरिका की अदालतों में राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होता है। अमेरिका की अदालतों में मामलों की सुनवाई भी निश्चित समय सीमा में होती है। फैसला भी एक निश्चित समय सीमा के अंदर हो जाता है। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मुकदमा अमेरिका की अदालत में चला। अदालत ने उन्हें सजा सुनाई। चूंकि वह सिविल मामला था। राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित हो जाने के बाद भी अमेरिका की न्यायालय ने उनके ऊपर 50 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है। डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी अपील की थी। उस अपील को उच्च अदालत ने खारिज करते हुए जुरमाने को बरकरार रखा है। 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं.। एलन मस्क ट्रंप सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका में है। एलन मस्क भारत में सेटेलाइट सेवा उपलब्ध कराना चाहते हैं। एलन मस्क के भारत के साथ जिस तरीके के व्यापारिक इंटरेस्ट हैं। उससे गौतम अडानी और रिलायंस समूह के मुकेश अंबानी की मुश्किलें आने वाले समय में और बढ़ने वाली हैं। सबसे ज्यादा मुसीबत अदानी समूह की होने वाली है। अदानी समूह के ऊपर अमेरिका में जो तीन मामले चल रहे हैं। उसमें उन्हें आर्थिक दंड के साथ-साथ सजा होना तय है। जिन आरोपों में यह मुकदमे चलेंगे, उसमें आपराधिक मामले में 10 साल की सजा है। यह कहा जा रहा है, दीवानी मामले में यदि अदानी समझौता कर लेते हैं, तो आर्थिक दंड देकर बच सकते हैं। यदि वह ऐसा नहीं करते हैं, तो जब तीनों मामले एक साथ चलेंगे। तब अदानी को अपने आप को बचा पाना बहुत मुश्किल होगा। जैसे ही अमेरिकी न्यायालय की यह खबर निकलकर सामने आई है। दुनिया भर में इसका असर देखने को मिल रहा है। अदानी समूह की अमेरिका स्थित जिस कंपनी से रिश्वत दी है। अमेरिकी कानून के मुताबिक वहां की प्रतिभूति और विनिमय आयोग के अनुसार, अमेरिका के निवेशकर्ताओं ने अदानी समूह में जो निवेश किया है। वहां के कानून के अनुसार, किसी भी बात को छिपाना अथवा रिश्वत देना सबसे बड़ा अपराध माना जाता है।

पहले भी इस तरीके कई मामले सामने आए हैं। जिनमे कंपनियों ने समझौता करके जुर्माना अदा किया और सजा से बच गए। अमेरिका में अदानी समूह को दो मोर्चे पर एक साथ लड़ना पड़ेगा। अदालत में उन्हें एक लड़ाई लड़नी पड़ेगी। एलन मस्क से व्यापारिक हितों को लेकर दूसरी लड़ाई लड़नी पड़ेगी। ट्रंप की सरकार में एलन मस्क के शामिल होने तथा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मस्क की निकटता होने का नुकसान अदानी समूह को उठाना पड़ेगा। आने वाले दिनों में अदानी समूह को अपना आर्थिक साम्राज्य बचाए रखना बहुत मुश्किल होगा। भारत में अभी तक जितने भी आरोप अदानी समूह के ऊपर लगे हैं। सरकार ने किसी भी आरोपों की जांच नहीं होने दी है।

जिस तरह के प्रमाण अमेरिका की अदालत में अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं। उसके बाद भारत में भी अदानी समूह को बचाव कर पाना मुश्किल होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नए साल में उतार-चढ़ाव के बाद एलन मस्क की संपत्ति 437 अरब डॉलर हुई

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क की संपत्ति में इस साल के पहले ही सप्ताह में बड़े उतार-चढ़ाव आए। हफ्ते की शुरुआत में उनकी नेटवर्थ में 17.7 अरब डॉलर की गिरावट आई, लेकिन शुक्रवार को उनकी कंपनी टेस्ला के शेयरों में 8.22 फीसदी की उछाल के बाद एलन मस्क की संपत्ति 22.3 अरब डॉलर बढ़कर 437 अरब डॉलर तक पहुंच गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क दुनिया के सबसे धनी इंसान हैं और उनके बराबर कोई अन्य अरबपति नहीं है। 2023 में उनकी नेटवर्थ में 203 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी। वहीं, 2024 की शुरुआत में संपत्ति में 4.61 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। दूसरी ओर फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट की संपत्ति में 5.22 अरब डॉलर की गिरावट आई। वह 169 अरब डॉलर के साथ छठे स्थान पर है। दुनिया के अन्य अमीरों में जेफ बेजोस 243 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दूसरे और फेसबुक के मार्क जकरबर्ग 214 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं एशिया के सबसे अमीर इंसान रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी हैं, उनकी संपत्ति 93.1 अरब डॉलर है। वहीं, गौतम अडानी की नेटवर्थ 84 करोड़ डॉलर से घटकर 78 अरब डॉलर रह गई है। उनका दुनिया के 19वां स्थान है। एलन मस्क की नेटवर्थ में इस उछाल से यह साफ हो जाता है कि उनकी कंपनी टेस्ला का प्रदर्शन उनकी संपत्ति में बड़ा बदलाव ला सकता है। दुनिया के अन्य अरबपतियों की संपत्ति में भी अस्थिरता देखने को मिल रही है।

अप्रैल-दिसंबर 2024 में मॉयल का मैंगनीज अयस्क उत्पादन बढ़ा

उत्पादन 4.5 प्रतिशत बढ़कर 13.3 लाख टन हो गया

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की एमओआईएल (मॉयल) का मैंगनीज अयस्क उत्पादन चालू वित्तवर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि में सालाना आधार पर 4.5 प्रतिशत बढ़कर 13.3 लाख टन हो गया। चालू वित्तवर्ष के पहले नौ महीनों में मैंगनीज अयस्क की बिक्री भी एक साल पहले की अवधि की तुलना में 4 प्रतिशत बढ़कर 11.39 टन हो गई। इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चालू वित्तवर्ष के पहले नौ महीनों में प्रदर्शन की बात करें तो मॉयल ने 13.3 लाख मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है, जो 4.5 प्रतिशत अधिक है। मॉयल ने 11.39 लाख टन की बिक्री की है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में की गई बिक्री की तुलना में 4 प्रतिशत अधिक है। बयान में कहा गया है क इस सार्वजनिक उपक्रम ने अपनी खोजपूर्ण कोर ड्रिलिंग में भी वृद्धि दर्ज की है जो 72,340 मीटर है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। मौजूदा समय में एमओआईएल महाराष्ट्र के नागपुर और भंडारा जिलों और मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में स्थित अपनी भूमिगत और खुली खदानों का संचालन करती है। कंपनी मैंगनीज अयस्क के विभिन्न ग्रेड का उत्पादन और बिक्री करती है।

विदेशी निवेशकों की पहली पसंद बना महाराष्ट्र

सिर्फ छह महीने में मिला 1.13 लाख करोड़ रुपये का एफडीआई

नई दिल्ली । चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में सबसे ज्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) महाराष्ट्र में हुआ है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने निवेश के आंकड़े पेश करते हुए कहा कि राज्य को 2024-25 में केवल छह महीने में 1.13 लाख करोड़ रुपये का एफडीआई मिला है। यह पिछले चार वर्षों में सालाना प्राप्त होने वाली राशि के लगभग बराबर है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि राज्य को सितंबर 2024 में समाप्त होने वाली वित्त वर्ष 2024-25 की पहली दो तिमाहियों में 1,13,236 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश मिला। राज्य को वित्त वर्ष 2020-21 में 1,19,734 करोड़ रुपये, 2021-22 में 1,14,964 करोड़ रुपये, 2022-23 में 1,18,422 करोड़ रुपये और 2023-24 में 1,25,101 करोड़ रुपये का एफडीआई प्राप्त हुआ था।

सीएसबी बैंक: गोल्ड लोन पर फोकस करके तैयार ग्रोथ की राह पर

- 400 रुपए प्रति शेयर का लक्ष्य तय

नई दिल्ली ।

सीएसबी बैंक जो गोल्ड लोन के क्षेत्र में अपनी मजबूती दिखा रहा है। हाल ही में ब्रोकरेज फर्म आईसीआईआईआई डायरेक्ट रिसर्च ने इस बैंक की कवरेज शुरू की है और 400 रुपए प्रति शेयर का टार्गेट प्राइस निर्धारित किया है। बाजार की सिफारिशें इस नए प्लेयर को अच्छी प्रेरणा दे रही हैं। गोल्ड लोन के क्षेत्र में सीएसबी बैंक ने विशेषज्ञता दिखाई है और इसे मजबूत कारोबार दिखा रहा है। बैंक का लगभग 45 फीसदी कर्ज गोल्ड लोन से आता है, जो इसकी स्थिरता का बड़ा कारक है। इसके अलावा सीएसबी बैंक ने निगेटिव रिटर्न को सकारात्मक में बदलने के लिए बदली हुई रणनीति को अपनाया है। बैंक ने गोल्ड लोन में वृद्धि के साथ-साथ शानदार लोन ग्रोथ भी देखी है। वित्त वर्ष 25 की तिमही में गोल्ड लोन 36.3 फीसदी वृद्धि दर्ज करते हुए 13,018 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। बैंक की रणनीति है कि वह गोल्ड लोन के क्षेत्र में सालाना ग्रोथ में करीब 23 फीसदी तक की उम्मीद कर रहा है। इसके साथ ही बैंक ने अपने विस्तार पर जोर दिया है और नई शाखाओं की शुरुआत की है। आईसीआईसीआईआई डायरेक्ट के अनुसार, बैंक की एडवांस ग्रोथ में आने वाले सालों में लगभग 23-25 फीसरी सीएजीआर की सक्षमता है। इस स्थिति में निवेशकों को उम्मीद है कि यह बैंक आने वाले 6-12 महीनों में उन्हें लगभग 25 फीसदी तक का रिटर्न देगा। इससे इच्छुक निवेशक आसानी से उन्हें पूरी जानकारी और निर्णय लेने की सक्षमता मिलती है।

सेबी ने आईपीओ में लापरवाही के लिए जेएम को दी कड़ी चेतावनी

- अथाराइज्ड शेयर कै पिटल की मंजूरी का मामला

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने जेएम फाइनें शियल को वेस्टर्न क रियर इं डिया के आईपीओ में लापरवाही के लिए चेतावनी दी है। मामला है अथाराइज्ड शेयर कै पिटल की मंजूरी का, जिसे सही समय पर पूरा नहीं किया गया। वेस्टर्न कॅ रियर के आईपीओ में सब्सक्रिप्शन 13 सितंबर 2024 को शुरू हुआ। लेकिन इस दौरान एक समस्या सामने आई। कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी में कमी पाई गई। इसे ठीक करने के लिए कंपनी के बोर्ड ने 15 सितंबर को शेयर पूंजी बढ़ाने की मंजूरी दी, और शेयरधारकों ने 16 सितंबर को इसे मंजूर किया। हालांकि, ये मंजूरी आईपीओ खुलने से पहले ली जानी चाहिए थी, लेकिन इसे बाद में पूरा किया गया। सेबी ने इस गलती को गंभीर गैर-अनुपालन करार दिया और जेएम फाइनें शियल को भविष्य में ऐसे मामलों में सावधानी बरतने की चेतावनी दी।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह रही बढ़त

मुंबई ।

विदेशी निवेशकों की खरीदारी, मजबूत ऑटो बिक्री डेटा, बेहतर जीएसटी कलेक्शन के कारण घरेलू शेयर बाजार ने लगातार दूसरे सप्ताह बढ़त का सिलसिला बरकरार रखा। हालांकि वैश्विक स्तर पर नकारात्मक रुख की वजह से कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार धराशायी हो गया। हालांकि इससे पहले दो दिन शेयर बाजार में नए साल का जश्न मनाया गया और इसमें तेजी बनी रही। शेयर बाजार के इस सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो साल के आखिरी कारोबारी हफ्ते के पहले दिन घरेलू शेयर बाजार की धीमी शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 142.26 अंक गिरकर 78,556.81 पर खुला और 450.94 अंक गिरकर 78,248.13 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 48.35 अंक गिरकर 23,765.05 पर खुला और 450.94 अंक गिरकर 78,248.13 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार साल 2024 के आखिरी दिन गिरावट के साथ शुरू हो गया। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 468.14 अंक की गिरावट के साथ 77,779.99 अंक पर खुला और 109.12 अंक गिरकर 78,139.01 पर बंद हुआ। निफ्टी 117.05 अंक फिसलकर 23,527.85 अंक पर खुला और गिरावट के साथ ही बंद हुआ। नए साल 2025 के शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी सपाट कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा रुपया भी सपाट खुला। सेंसेक्स 171.81 अंक की गिरावट के साथ 77,967.20 अंक पर खुला और 368.40 अंक चढ़कर 78,507.41 अंक पर बंद हुआ।

निफ्टी सुस्त शुरुआत के बाद 46.4 अंक फिसलकर 23,598.40 अंक पर खुला और 98.10 अंक की बढ़त के साथ 23,742.90 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में साल के दूसरे दिन बंपर उछाल दिखा। सेंसेक्स 1,229.42

अंकों की बढ़त के साथ 79,759.48 के स्तर पर खुला और 1,436.30 अंक उछलकर 79,943.71 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 342.00 अंक चढ़कर 24,084.90 के स्तर पर खुला और 445.75 अंक बढ़कर 24,188.65 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को फर्मा और आईटी शेयरों में गिरावट के बाद सेंसेक्स 630.98 अंक गिरकर 79,324.35 पर खुला और 720.60 अंकों की गिरावट के साथ 79,223.11 पर बंद हुआ। निफ्टी 140.75 अंकों की गिरावट के साथ 24,047.90 के स्तर पर खुला और 183.91 अंक टूटकर 24,004.75 पर बंद हुआ।

कंपनी पर परिसमापन शुरू होने के बाद ईपीएफओ की कार्यवाही पर बंदिश नहीं: एनसीएलएटी

- स्थगन के तहत संरक्षण मिलने के बाद ईपीएफओ कार्यवाही जारी नहीं रख सकता

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के मुतो बिक दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत किसी भी कर्जदार कंपनी के खिलाफ परिसमापन प्रक्रिया शुरू होने के बाद ईपीएफओ एवं अन्य वैधानिक अधिकारियों की मूल्यांकन कार्यवाही पर कोई बंदिश नहीं है। हालांकि अपीलीय न्यायाधिकरण ने कहा कि किसी ऋणग्रस्त कंपनी के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू होने के बाद अगर उसे स्थगन के तहत संरक्षण मिल जाता है, तो कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ऐसी कार्यवाही जारी नहीं रख सकता है। ईपीएफओ की दो याचिकाओं को खारिज करते हुए एनसीएलएटी ने कहा कि एक बार जब किसी कंपनी को आईबीसी की धारा 14 (1) के प्रावधानों के अनुरूप स्थगन के तहत संरक्षण मिल जाता है तो बकाया राशि के निर्धारण के लिए मूल्यांकन कार्यवाही जारी नहीं रखी जा सकती है। एनसीएलएटी ने कहा कि हम मानते हैं कि धारा 14, उपधारा (1) के तहत स्थगन आने के बाद ईपीएफओ कोई मूल्यांकन कार्यवाही जारी नहीं रख सकता है। अगर परिसमापन का आदेश पारित होने के बाद धारा 33 की उपधारा (5) मूल्यांकन कार्यवाही शुरू करने या जारी रखने पर रोक नहीं लगाती है। इसने कहा कि स्थगन अवधि के दौरान किए गए मूल्यांकन के आधार पर कोई

दावा कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत नहीं किया जा सकता है। हालांकि एनसीएलएटी ने कहा कि एक बार परिसमापन का आदेश पारित हो जाने के बाद, धारा 14 के तहत स्थगन समाप्त हो जाता है और धारा 33(5) के तहत स्थगन, जिसे अलग तरीके से लिखा गया है, लागू हो जाता है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । देश की सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल डीजल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। हालांकि, ये कंपनियां रोजाना सुबह 6 बजे नई दरों को जारी कर देती हैं। इन कंपनियों ने देश के चार महानगरों के साथ-साथ झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश के प्रमुख जिलों के लिए भी कीमतें जारी की है। हालांकि दिल्ले ली और मुंबई सहित देश के चारों महानगरों में शुक्रवार को भी तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.67 प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपेय प्रति लीटर और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

एनएसई के जरिए 268 कंपनियों ने आईपीओ से जुटाए 1.67 लाख करोड़

- पिछले साल आए 268 में से 90 मेनबोर्ड आईपीओ और 178 एसएमई के थे

मुंबई ।

पिछले वर्ष नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के जरिए 268 कंपनियों ने इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के द्वारा 1.67 लाख करोड़ रुपये की रे शि जुटाई है। बताया गया है कि बीते वर्ष में दुनिया के किसी एक स्टॉक एक्सचेंजस के जरिए कंपनियों द्वारा पूंजी जुटाने का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह जानकारी एक्सचेंज द्वारा दी गई। पिछले साल आए 268 आईपीओ में से 90 मेनबोर्ड आईपीओ और 178 एसएमई आईपीओ थे। 90 मेनबोर्ड आईपीओ (आरईआईटीएस, आईएनवीआईटीएस और एफपीओ) में कंपनियों ने 1.59 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसमें से 178 एसएमई आईपीओ में 7,349 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई गई है। 2024 में हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) का 3.3 अरब डॉलर आईपीओ भारतीय शेयर बाजार और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ था। पिछले साल चीन के शंघाई स्टॉक एक्सचेंज पर 101 आईपीओ, जापान और हांगकांग के स्टॉक एक्सचेंज पर क्रमशः 93 और 66 आईपीओ आए थे। कंपनियों द्वारा 2024 में न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई) के माध्यम से 15.9 अरब डॉलर और शंघाई स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से 8.8 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई गई थी। 2024 में वैश्विक स्तर पर 1,145 आईपीओ आए थे। एक साल पहले इनकी संख्या 1,271 थी। एनएसई के अनुसार दिसंबर तक पंजीकृत निवेशकों की कुल संख्या 21 करोड़ से अधिक थी।

एनएसई के डेटा के मुताबिक वर्तमान में सभी राज्यों में महाराष्ट्र में सबसे अधिक 3.7 करोड़ से अधिक खाते हैं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में 2.28 करोड़, गुजरात में 1.87 करोड़ और राजस्थान एवं पश्चिम बंगाल प्रत्येक में 1.2 करोड़ से अधिक खाते हैं।

देश में 2030 तक 500 अरब डॉलर तक इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं का उत्पादन होगा शुरू

- भारत की वैश्विक हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने साल 2030 तक देश में 500 अरब डॉलर तक इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं के उत्पादन शुरू करने के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्त्वावधान में विस्तृत रणनीति रिपोर्ट तैयार करने के लिए सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) और कंसल्टेंसी फर्म बेन ऐंड कंपनी से सहयोग लिया है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि यह रिपोर्ट अगले कुछ दिनों में संचार मंत्री अश्विनी वैष्णन जारी कर सकते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए महत्त्वाकांक्षी दृष्टिकोण की घोषणा कुछ महीने पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। इलेक्ट्रॉनिक्स की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (जीवीसी) में भारत की भागीदारी सशक्त बनाने के लिए पिछले साल जुलाई में नीति आयोग ने अध्ययन किया था। इसमें यह कहा गया था कि यह महत्त्वाकांक्षी सपना साकार हो सकता है और इसमें कम से कम 200 अरब डॉलर निर्यात से आएंगे, जहां तैयार वस्तु और कलपुर्जे की प्रमुख भूमिका रहेगी। अध्ययन में इससे 55 से 60 लाख नौकरियां पैदा होने की भी संभावना भी है।

अध्ययन में लक्ष्य को हासिल करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नीतिगत हस्तक्षेप करने का भी सुझाव दिया गया है। अब मंत्रालय न केवल भारतीय बाजार के लिए बल्कि दुनिया भर में निर्यात के लिए पुर्जों की वृहद आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक के बजट के साथ इलेक्ट्रॉनिकी पुर्जों के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को एक साथ लाने की तैयारी में है। लक्ष्य हासिल करने के लिए की गई खास चर्चा के आधार पर आने वाली रिपोर्ट में इलेक्ट्रॉनिक्स के विभिन्न क्षेत्र के लिए लक्ष्य तय किए जाने की उम्मीद है, जिसमें मोबाइल डिवाइस, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सर्वर, हियरेबल्स, वेयरेबल्स और चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी शामिल हैं। चर्चा का उद्देश्य साल 2030 तक वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी को 6 से 7 फीसदी तक करने का है।

रिलायंस जियो का आईपीओ लाने की तैयारी में मुकेश अंबानी

- 40,000 करोड़ रुपये का हो सकता है

नई दिल्ली ।

मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो जल्द ही भारत का सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च कर सकती है। सूत्रों के अनुसार, जियो का आईपीओ लगभग 35,000 से 40,000 करोड़ रुपये का हो सकता है। यह आईपीओ ऑफर ऑफ सेल (ओएफएस) और ताजा शेयर जारी करने के साथ आएगा। रिलायंस जियो की ओर से इस आईपीओ के लिए प्री-आईपीओ प्लेसमेंट की प्रक्रिया पहले ही शुरू की जा चुकी है। निवेश बैंकर्स का मानना है कि यह आईपीओ काफी बड़ा हो सकता है, और इसमें सब्सक्रिप्शन की कोई समस्या नहीं होगी। कंपनी की योजना वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में इसे लॉन्च करने की है।

रिलायंस जियो का आईपीओ देश का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है, जिससे भारतीय शेयर बाजार में हलचल मच सकती है। यदि यह आईपीओ सफल होता है, तो यह पिछले साल आए हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपये के आईपीओ को भी पीछे छोड़ देगा। रिलायंस जियो के आईपीओ में ओएफएस कंपोनेंट का महत्वपूर्ण स्थान होगा, क्योंकि इससे मौजूदा निवेशकों को अपनी हिस्सेदारी बेचने का मौका मिलेगा।

कंपनी की वैल्यूएशन की बात करें तो कई ब्रोकरेज का कहना है कि रिलायंस जियो की वैल्यूएशन 100 अरब डॉलर हो सकती है, जबकि कुछ सूत्रों के अनुसार कंपनी की वैल्यूएशन 120 अरब डॉलर तक हो सकती है। रिलायंस जियो ने हाल ही में एनवीडिया से साझेदारी की है और एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के क्षेत्र में भी कदम बढ़ाए हैं। इसके साथ ही, कंपनी सैटेलाइट इंटरनेट सर्विसेज और टेलीकॉम सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए लगातार निवेश कर रही है। रिलायंस जियो, जो कि देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम ऑपरेटर है, अब 46 करोड़ से ज्यादा सब्सक्राइबर बेस के साथ भारतीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर चुकी है।

स्किनकेयर ब्रांड मिनिमलिस्ट को खरीदेगी एचयूएल

- करीब 3,000 करोड़ रुपये में होगा सौदा

नई दिल्ली ।

हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) त्वचा की देखभाल से जुड़े ब्रांड मिनिमलिस्ट को खरीदने के लिए विचार कर रही है। मिनिमलिस्ट ब्रांड सीधे ग्राहकों को अपने उत्पाद बेचता है। सूत्रों के मुताबिक यह सौदा करीब 3,000 करोड़ रुपये में हो सकता है। मिनिमलिस्ट ब्रांड की शुरुआत 2020 में हुई थी और यह अपने विशेष सामग्री आधारित स्किनकेयर उत्पादों के लिए जाना जाता है। इसने ए सीरीज की फंडिंग में यूनिलीवर वेंचर्स और सिकोया कैपिटल इंडिया से धन जुटाया था। इस करार से जुड़े मामले में भेजे गए एक ईमेल पर एचयूएल के प्रवक्ता ने जवाब दिया, अपनी कारोबारी रणनीति के अनुरूप ही लगातार अपने कारोबार के विकास और विस्तार के लिए विभिन्न रणनीतिक अवसरों का मूल्यांकन करते हैं। अगर इस दिशा में आगे कोई कदम उठाया जाता है जिसके लिए लागू कानूनों के तहत खुलासा करने की जरूरत होती है तब हम उचित जानकारी जरूर देंगे। सूत्रों के मुताबिक एचयूएल इसी तिमाही में इस सौदे पर अंतिम मुहर लगा देगी और कंपनी का इरादा इस ब्रांड में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल करना है। सूत्रों का यह भी कहना है कि संस्थापक कुछ हिस्सा रख सकते हैं। यह सौदा मिनिमलिस्ट के राजस्व के 8-10 गुना पर होने की संभावना है जो वित्त वर्ष 2024 में 347.4 करोड़ रुपये था। इस ब्रांड ने वित्त वर्ष 2023 में 183.8 करोड़ रुपये की कमाई की थी। कंपनी का कर के बाद मुनाफा भी दोगुने से ज्यादा बढ़कर पिछले वित्त वर्ष में 10.8 करोड़ रुपये हो गया जो वित्त वर्ष 2023 में 5.2 करोड़ रुपये था। यह संभावना जताई जा रही है कि यह सौदा उम्मीद से अधिक मूल्य पर हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिडनी टेस्ट में भारत को 145 रनों की लीड, पंत की धमाकेदार पारी ने दिल जीत लिया

सिडनी (एजेंसी)। सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को भारत ने पलटवार कर आस्ट्रेलिया की पहली पारी को 181 रनों पर आलआउट कर 4 रन की लीड के साथ अपनी दूसरी पारी में छह विकेट खोकर 141 रन बनाए। भारत की कुल लीड अब 145 रन की हुई है। दिन का खेल खत्म होने के समय जडेजा 8 और वशिंगटन सुंदर 6 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। भारत ने पहली पारी में 185 रन बनाए थे। खेल के अंतिम सत्र में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की दूसरी पारी का आकर्षण विकेटकीपर और बल्लेबाज रिषभ पंत (61) की धमाकेदार बल्लेबाजी रही। पंत ने ये रन मात्र 33 गेंदों पर छह चौके और चार छक्कों की मदद से बनाये। उन्होंने अपना अर्धशतक मात्र 29 गेंदों में पूरा किया। वे पैट कमिंस की गेंद पर विकेटकीपर के हाथों लपके गये। वहीं विराट कोहली का बल्ला आज भी नहीं चला और वे सिर्फ 6 रन का योगदान दे सके। यशस्वी जायसवाल (22) ने भारत को तेज शुरुआत देने की कोशिश की मगर वह भी जल्द ही चलते बने। सीरीज में पहली बार खेल रहे प्रसिद्ध कृष्णा ने 42 रन देकर तीन विकेट चटकाए, जबकि मो सिराज ने 51 रन देकर 3 विकेट झटके। बुमराह और नीतीश कुमार रेड्डी ने दो दो विकेट हासिल किए। 4 रन की लीड मिलने के बावजूद बुमराह की फिटनेस ने भारत को चिंता में डाल दिया है। शनिवार को के सत्र की शुरुआत में सिर्फ 1 ओवर फेंकने के बाद बुमराह मैदान से बाहर गए और बाद में उन्हें स्कैन के लिए अस्पताल जाते देखा गया, जिससे बाकी मैच के लिए उनकी उपलब्धता संदेह में पड़ गई है। वहीं बुमराह की गैर मौजूदगी में सिराज ने शानदार गेंदबाजी की। पारी के 51वें ओवर में आखिरी खिलाड़ी स्कॉट बोलैंड को आउट करने में उनकी रफ्तार काबिल ए तारीफ थी। प्रसिद्ध कृष्णा और रेड्डी ने भी अपनी धारदार गेंदबाजी से सभी को आकर्षित किया। रेड्डी ने मिचेल स्टाकर को 1 रन पर और पैट कमिंस को 10 रन पर आउट किया। दोनों स्लिप में कैच आउट हुए। विकेटों की झड़ी के बावजूद, नवोदित ब्यू वेबस्टर (57) और एलेक्स कैरी (21) ने मजबूत इरादों के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की। वेबस्टर ने अद्भुत संयम दिखाया और 105 गेंदों में पांच चौकों सहित 57 रन बनाए। उन्होने रेड्डी की गेंद पर शॉट लगा कर पहले ही टेस्ट मैच में पचास रन पूरे किये। दूसरी छोर पर कैरी ने कई आत्मविश्वास भरे स्ट्रोक खेले और दो बार ऑफ साइड से बाउंड्री लगाई। इससे पहले, भारत ने खेल पर मजबूत पकड़ के साथ शुरुआत की थी।

जसप्रीत बुमराह का मेडिकल बुलेटिन आया बाहर, प्रसिद्ध कृष्णा ने दी अपडेट

सिडनी (एजेंसी)। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा शनिवार को कहा कि कप्तान जसप्रीत बुमराह की पीठ में ऐंठन है और भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट में लक्ष्य का बचाव करते समय मेडिकल स्टाफ से इस स्टार तेज गेंदबाज की उपलब्धता को लेकर जानकारी का इंतजार कर रही है। बुमराह चोट के कारण एहतियाती स्कैन (जांच) कराने के बाद ड्रेसिंग रूम में लौट आए। उन्हें यहां लंच के बाद केवल एक ओवर गेंदबाजी करने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इस टेस्ट में बुमराह की गेंदबाजी भारत के लिए काफी अहम होगी क्योंकि टीम ने अपनी दूसरी पारी में 141 रन पर छह विकेट गंवा दिए है और उसकी कुल बढ़त सिर्फ 145 रन की है।

कृष्णा ने दूसरे दिन के खेल के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी पीठ में ऐंठन थी। वह स्कैन के लिए गए थे। मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है। जब मेडिकल टीम हमें कोई जानकारी देगी तभी इस बारे में कुछ पता चलेगा। बुमराह कुल मिलाकर 3 घंटे और 20 मिनट तक मैदान से दूर रहे, लेकिन उनकी वापसी से ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी से पहले भारतीय खेमे की चिंताएं कम हो सकती हैं। बुमराह की अनुपस्थिति में विराट कोहली ने टीम का नेतृत्व किया। बुमराह इससे पहले पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण 2022 और 2023 के बीच लगभग एक साल तक क्रिकेट से बाहर रहे थे।

श्रृंखला में पहले ही 32 विकेट ले चुके बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 10 ओवरों में 33 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने सुबह के सत्र में मार्नस लाबुशेन का विकेट लिया था। लंच के बाद अपने स्पैल में एक ओवर फेंकने के बाद बुमराह को कुछ असुविधा महसूस हुई। उन्होंने कोहली से बात की और मैदान से बाहर चले गए और फिर आधिकारिक प्रसारकों ने उन्हें टीम के सुरक्षा संपर्क अधिकारी और टीम डॉक्टर के साथ मैदान से बाहर जाते हुए दिखाया। 'फॉक्स स्पोर्ट्स% के दृश्यों में उन्हें एक एसयूवी में स्टेडियम से बाहर निकलते हुए दिखाया गया।

एक दिन में 15 विकेट गिर गए, हम ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटरों की तरह नहीं रोते : गावस्कर

सिडनी (एजेंसी)। भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में चल रहे 5वें टेस्ट में हरी पिच पर सवाल क्यों नहीं उठ रहे। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि क्या यह खेल भारत में खेला जा रहा है। इस पर सवाल क्यों नहीं उठाए जा रहे। यह पिच टेस्ट क्रिकेट खेने के लिए बिल्कुल भी आदर्श नहीं है। पहले दिन 11 विकेट गिरे थे अब दूसरे दिन 15 विकेट गिर चुके हैं। बता दें कि भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 181 रन पर आउट करने के बाद पहली पारी में 4 रन की बढ़त ली थी। दूसरे दिन के खेल का अंत होने तक भारतीय टीम का स्कोर 141/6 हो गया है और उनके पास 145 रन की बढ़त है।

सुनील गावस्कर ने कहा कि अगर भारत में (एक ही दिन में) 15 विकेट गिर जाते, तो सब गड़बड़ हो जाती। हमारे पास ग्लेन मैक्ग्राथ हैं। वह बीते दिनों बोल रहे थे कि उन्होंने पहले कभी इस पिच पर इतनी घास नहीं देखी। क्या आपने भारत के किसी पूर्व क्रिकेटर को पिच के बारे में विलाप करते हुए सुना है? पूर्व (ऑस्ट्रेलियाई और अंग्रेजी क्रिकेटर) विशेषज्ञ हर समय भारतीय पिचों और परिस्थितियों के बारे में बात करते रहते हैं। हम विलाप करने वाले नहीं हैं, हम रोने वाले नहीं हैं। आप हमें कभी शिकायत करते हुए नहीं पाएंगे। लेकिन भारत में एक दिन में 15 विकेट गिर जाए तो यार यह नरक होगा। जब हम बाहर जाते हैं और क्रिकेट खेलते हैं तो हम ऐसा नहीं करते। अगर हम हारते हैं, तो हम हारते हैं। विदेशों में घरेलू टीमों को हराना बहुत मुश्किल है। मैंने कहा था कि जब हमने कल पिच देखी थी, तो इसपर इतनी घास थी कि गाएं भी चर सकती थी। यह बिल्कुल भी आदर्श टेस्ट मैच पिच नहीं है जो चौथे और पांचवें दिन तक चले। अगर बारिश नहीं होती तो मुझे नहीं लगता कि हम चौथे दिन यहां रहेंगे।

भारतीय टीम की हालत से दुखी होंगे द्रविड़

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच रहे राहुल द्रविड टीम की अभी की हालत देखकर दुखी होंगे। उन्होंने विश्व विजेता के तौर पर टीम को छोड़ा था और उनके जाने के बाद टीम की क्या हालत हो गयी। वह श्रीलंका में एकदिवसीय हारी जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर उसे 3-0 से हार टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। अब ऑस्ट्रेलिया में 1-2 से पिछड़ी हुई है, जबकि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से तकरीबन बाहर हो चुकी है।

वहीं दूसरी ओर रोहित शर्मा भी सोच रहे होंगे कि अगर द्रविड़ एक साल और कोच रहते तो अच्छा रहता। द्रविड़ के कोच रहते भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था और वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप, एकदिवसीय विश्वक के फाइनल में पहुंची थी जबकि टी20 विश्वकप उसने जीता था। भारतीय कप्तान रोहित को अभी खराब दौर से गुजरने के

कारण टीम से बाहर तक रहना पड़ रहा है। उन्हें किसी का समर्थन भी नहीं मिलता दिख रहा है। द्रविड़ के कोच पद छोड़ने के बाद नये कोच बने गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलिया दौरे में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में

टीम को ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने भी निशाना बनाया है। वह भी खिलाड़ियों का मजाक बना रही है। कोच गंभीर का रवैया भी कप्तान को लेकर अब तक सख्त रहा है। खराब फार्म के कारण रोहित दबाव में भी दिखे मेलबर्न में बल्लेबाजी के दोरान उनका अति रक्षात्मक रुख दिखा। एकदिससीय विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद राहुल द्रविड़ कोचिंग छोड़ना चाहते थे पर रोहित ने उन्हें रुकने के लिए मनाया और भारतीय टीम विश्व विजेता बनी। इन दोनो की जुगल जोड़ी जीत की गारंटी जैसी लगती थी पर अभी टीम में गुटबाजी दिखती है। वह एकजुट नहीं नजर आती तो टीम के तौर पर आनी चाहिए। अभी वह समय है और जिस तरह से रोहित ने द्रविड़ को कोचिंग छोड़ने से रोका था उसी प्रकार कोई रोहित को रोके तो वह एक बार फिर पुराने में नजर आ सकते हैं। वह कोच के तौर पर द्रविड़ की कमी अनुभव कर रहे होंगे। वहीं द्रविड़ यह सोच रहे होंगे कि टीम इंडिया को किस जगह पर छोड़ा था और आज टीम कहां पहुंच गयी है।

इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर रह सकते हैं ये दिग्गज

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम इस साल इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी पर इसमें मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शायद ही खेलें । बुमराह को कार्याभार प्रबंधन के कारण इस सीरीज से बाहर रहना पड़ सकता है। बुमराह के अलावा रोहित शर्मा और विराट भी इस सीरीज से बाहर रह सकते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले भारत की ये आखिरी 50 ओवर की सीरीज होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे में कार्यभार प्रबंधन के तहत ही बुमराह को इसलिए आराम दिया जाएगा जिससे वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पूरी तरह से फिट रहें। बुमराह पिछले कुछ समय से लगाता खेल रहे हैं जिसके उनके चोटिल होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में चयनकर्ता उनको लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहेंगे। वहीं विराट और रोहित का प्रदर्शन टी20 विश्वकप के बाद से ही अच्छा नहीं रहा है। ऐसें में चयनर्ता इस सीरीज के लिए भी इन्हें आराम देकर युवा खिलाड़ियों का आजमा सकते हैं।

पंत की 184 के स्ट्राइक रेट से खेली गई पारी के दीवाने हुए सचिन

मुंबई । भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर हो रहे मुकाबले के दौरान अपने पुराने अंदाज में दिखाई दिए। बेखौफ पंत ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। स्टार्क के ओवर में उन्होंने लगातार गेंदों पर छक्के लगाए, जबकि कुछ ओवरों में उन्होंने जमकर बाउंड्री ठोकी। उन्होंने 33 गेंदों का सामना कर 61 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। जब तक वह क्रीज पर थे कंगारूओं की सांसे अटकी हुई थी। पंत की पारी की महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने भी तारीफ की है। पंत ने 29 गेंद में अर्धशतक लगाया, जोकि टेस्ट में भारत की ओर से लगाया गया दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी पंत के नाम दर्ज है, उन्होंने 2022 में बेंगलुरु में श्रीलंका के खिलाफ 28 गेंदों में फिफ्टी लगा दी थी। सिडनी टेस्ट की दूसरी पारी में पंत ने चार छक्के और 6 चौके लगाए। उनकी पारी के दौरान स्टेडियम में मौजूद फैंस का भरपूर मनोरंजन हुआ। पंत की पारी पर तेंदुलकर ने लिखा, इसतरह के विकेट पर, जहां ज्यादातर बल्लेबाजों ने 50 से भी कम स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की, पंत की 184 के स्ट्राइक रेट से खेली गई पारी अद्भुत है। उन्होंने पहली गेंद से ऑस्ट्रेलिया को हिलाकर रख दिया। पंता को बल्लेबाजी करते देखना हमेशा मनोरंजक होता है। प्रभावशाली पारी थी।

लवलीना अब खिलाड़ियों से जुड़े मामलों को उठाएंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को विश्व मुक्केबाजी संघ की नई एशियाई संस्था के एथलीट आयोग में शामिल किया गया है। ।लवलीना की जिम्मेदारी इसमें एशियाई और वैश्विक मुक्केबाजी में खिलाड़ियों से जुड़े मामलों को उठाना और उनकी बेहतरी के प्रयास करना रहेगा। नई एशियाई संस्था में भारत से लवलीना के अलावा अध्यक्ष अजय सिंह सहित भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह सहित छह अधिकारियों को शामिल किया गया है। विश्व मुक्केबाजी संघ का मानना है कि एशियाई मुक्केबाजी के भविष्य को बेहतर बनाने में बीएफआई से जुड़े अधिकारी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसी को देखते हुए इन्हें सात अहम समितियों में शामिल किया गया है। सिंह को बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। बीएफआई महासचिव हेमंत कुमार कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह को ओलंपिक आयोग और वित्त एवं लेखा जांच समिति में अहम भूमिका मिली है। एशियाई मुक्केबाजी का निर्माण विश्व मुक्केबाजी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है। इसका काम ये पक्का करना होगा कि मुक्केबाजी 2028 और उसके बाद भी ओलंपिक खेलों में शामिल रहे।'' एथलीट आयोग में शामिल लवलीन ने पूरे एशिया में एथलीटों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे, अवसरों और सहायता प्रणालियों को बढ़ाये जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, ''एशियाई मुक्केबाजी में एथलीट आयोग के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। यह सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है कि खिलाड़ियों की आवाज सुनी जाए और निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाए।'' उन्होंने कहा, ''मेरा ध्यान पूरे एशिया में बेहतर प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे, निष्पक्ष अवसरों और मजबूत समर्थन प्रणालियों को आगे बढ़ोन पर होगा जो मुक्केबाजों को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सशक्त बनाते हैं।''

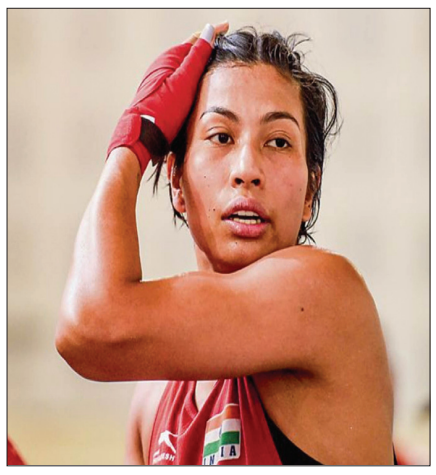

फखर को इन चार टीमों के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद

इस्लामाबाद । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज फखर जमान ने आगामी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को लेकर भविष्य वाणी की है। फखर ने कहा है कि इसमें पाकिस्तान, भारत, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका जैसे टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। फखर ने बासित अली से कहा कि पाकिस्तान के अलावा भारत, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ऐसी टीमें हैं जो सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इसमें पाकिस्तान के साथ ही भारत और बांग्लादेश ए ग्रुप में है जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम बी ग्रुप में इंग्लैंड, न ऑस्ट्रेलिया के साथ हैं। वहीं चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को लेकर औपचारिक घोषणा के साथ ही इसको लेकर संशय भी दूर हो गया। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टूर्नामेंट का कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। आठ टीमों के इस आयोजन में 50 ओवर के प्रारूप में 15 मैच शामिल होंगे और यह पाकिस्तान और दुबई में आयोजित किए जाएंगे। इसमें भारत और पाकिस्तान मुकाबला 23 फरवरी को दुबई में होगा। रावलपिंडी, लाहौर और कराची पाकिस्तान में टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाले तीन स्थान होंगे। प्रत्येक स्थान पर तीन ग्रुप मैच आयोजित होंगे, साथ ही लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की भी मेजबानी करेगा। लाहौर 9 मार्च को फाइनल की मेजबानी करेगा, जब तक कि भारत क्वालीफाई नहीं कर लेता, ऐसी स्थिति में फाइनल दुबई में खेला जाएगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में आरक्षित दिन होंगे। इंग्लैंड एकमात्र भाग लेने वाला देश है जिसने इस बहुप्रतीक्षित आयोजन के लिए अपनी टीम की घोषणा की है। ग्रुप ए के शुरुआती मैच में पाकिस्तान 19 फरवरी को कराची में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। अगले दिन दुबई चरण की शुरुआत भारत और बांग्लादेश के बीच होगी।

देश में इस बार खेले जाएंगे ये अहम टूर्नामेंट

नई दिल्ली । भारत में इस साल क्रिकेट सहित अलग-अलग खेलों में बड़े-बड़े टूर्नामेंटों का आयोजन होने जा रहा है। इनमें महिला एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट से लेकर खो खो विश्वकप भी शामिल हैं। ऐसे में खेल प्रशंसकों को एक से बढ़कर एक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

खो-खो विश्वकप 2025 : नए साल की शुरुआत में ही सबसे पहले खो-खो विश्व कप का आयोजन होगा। ये टूर्नामेंट राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 13 से 19 जनवरी 2025 तक खेला जाएगा। इससे खो-खो के उभरेते हुए खिलाड़ियों को नये अवसर मिलेंगे।

महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 : महिला विश्व कप क्रिकेट का आयोजन सितंबर-अक्तूबर में होगा। इस दौरान दुनिया भर की महिला टीम भारत आयेंगी और लोगों को बेहतरीन मुकाबले देखने को मिलेंगे।

पैरा एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 : पैरा एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 का आयोजन भारत की राजधानी दिल्ली में होगा। 26 सितंबर से 5 अक्तूबर 2025 तक पूरी दिल्ली इसकी मेजबानी करेगी।

खेलों इंडिया विंटर गेम्स 2025 : आइस हॉकी और आइस स्कीइंग का आयोजन 23 से 27 जनवरी तक लद्दाख में होगा। इसके बाद अल्पाइन स्कीइंग, नॉर्डिक स्कीइंग, स्की माउंटेनियरिंग और स्नोबोर्डिंग 22 से 25 फरवरी तक जम्मू-कश्मीर में आयोजित होंगे।

आईपीएल 2025 : इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन की शुरुआत 14 मार्च से होगी। वहीं इसका फाइनल 25 मई को खेला जाएगा।

आज भारत के पास सिडनी कलंक को मिटाने का मौका, 46 सालों का सूखा हो सकता है खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में खतरे की घंटी बजा दी है। भारतीय गेंदबाजों ने दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन किया लेकिन बल्लेबाजों ने मेहनत पर पानी फेर दिया। शनिवार को स्टंप्स के समय भारत का दूसरी पारी में स्कोर 141/6 था। भारत की अभी कुल बढ़त 145 रनों की है। भारत के 185 के जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रनों पर आल आउट हो गई थी। टीम इंडिया फिलहाल मुश्किल में घिरी है। भारत का सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। भारत पर फिर हार का खतरा मंडराने लगा है।

वैसे, सिडनी में लक्ष्य का पीछा करना कभी आसान नहीं होता। हालांकि, मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने कई बार चुनौती पर पार पाया है। यहां सबसे बड़ा टारगेट चेज करने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम ही दर्ज है। ऑस्ट्रेलिया ने यह कारनामा साल 2006 में किया था। कंगारुओं ने तब साउथ अफ्रीका के विरुद्ध 287 रनों का लक्ष्य हासिल कर 8 विकेट से विजयी परचम फहराया। उसके बाद से एससीजी में 21वीं सदी में कोई भी टीम 200 प्लस का टारगेट सफलतापूर्वक चेज नहीं कर सकी।

सिडनी में अभी तक छह मर्तबा 200 से अधिक का लक्ष्य हासिल हुआ है। यह कमाल भी ऑस्ट्रेलिया ने ही किया है। ऑस्ट्रेलिया ने 1898 में इंग्लैंड के विरुद्ध 276 और 1907 में 275 रन बनाकर जीत दर्ज की। कंगारू टीम ने 1985 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 260, इंग्लैंड के विरुद्ध 1980 में 216 जबकि 1947 में 214 का टारगेट चेज किया। वहीं, इंग्लैंड ने सिडनी में 1903 में 194 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया था। ऑस्ट्रेलिया का सिडनी में दमदार रिकॉर्ड है। ऑस्ट्रेलिया ने 121 टेस्ट खेले हैं, 61 में जीत और 28 में हार मिली है।

सिडनी में भारतीय टीम पर एक कलंक लगा हुआ है। भारत ने इस मैदान पर पिछले 46 सालों से कोई टेस्ट मैच नहीं जीता। भारत ने सिडनी में एकमात्र जीत 1978 में हासिल की थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने एससीजी में 13 टेस्ट मैच खेले हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 5 टेस्ट जीते और 7 ड्रॉ रहे। रविवार को पांचवें टेस्ट का रिजल्ट निकलने की संभावना है। भारत को अगर सिडनी में कलंक मिटाना है, तब ऑस्ट्रेलिया को 200 से अधिक रनों का टारगेट देने पर फोकस करना होगा। ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा 8 और वॉशिंगटन सुंदर 6 रन बनाकर नाबाद हैं। पंत ने दूसरे दिन 33 गेंदों में 61 रन की तूफानी पारी खेली। विराट कोहली (6), केएल राहुल (13) और शुभमन गिल (13) का बल्ला नहीं चला। यशस्वी जायसवाल ने 23 रनों का योगदान दिया।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस में जोकोविच को ओपेल्का ने सीधे सेटों में हराया

ब्रिस्बेन। नोवाक जोकोविच को ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस के क्वार्टर फाइनल में राइली ओपेल्का के खिलाफ सीधे सेटों में 6-7, 3-6 से हार मिली। अमेरिका के ओपेल्का ने 16 ऐस लगाकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की है। 47 साल के जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी के लिए इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन की शुरुआत 12 जनवरी से होगी और जोकोविच इसके 10 बार के चैम्पियन रहे हैं। ओपेल्का ने फरवरी 2022 में सर्वश्रेष्ठ करियर रैंकिंग 17 हासिल की है। कूल्हे की सर्जरी के कारण खेल से दूर रहने के कारण उनकी मौजूदा रैंकिंग 293 है। ओपेल्का के सामने सेमीफाइनल में जी एमपेत्शी पेरीकार्ड की चुनौती होगी। पेरीकार्ड ने याकूब मेनसिक को 7-5, 7-6 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में जिरी लेहेका का मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा। लेहेका ने निकोलस जैरी को 6-4, 6-4 से हराया और जॉर्डन थॉम्पसन के रिटायर होने पर दिमित्रोव ने अंतिम चार में जगह बनाई।

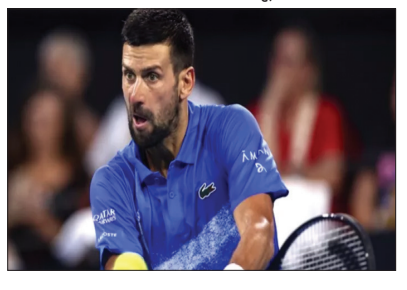

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्या आप जानते हैं?

भारत का सबसे बड़ा हीरा ग्रेट मुगल जब 1650 में गोलकुंडा की खान से निकला तो इसका वजन 787 कैरेट था।

पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार 1965 में मलयालम कवि गोविन्द शंकर कुरुप को दिया गया था।

घर घर में गाई जाने वाली आरती ओम जय जगदीश हरे के रचयिता पं. श्रद्धाराम शर्मा थे।

राजस्थान में सुंधा माता नामक एक ऐसा पर्वत है, जहां खंडित मूर्तियों को रखना पवित्र माना जाता है।

बाबर अपने समय की सामान्य रूप से बोली जाने वाली भाषा फारसी में प्रवीण था, पर उसकी मातृभाषा चागताई थी और उसने अपनी आत्मकथा बाबरनामा चागताई में ही लिखी।

याहू डॉट कॉम का नाम पहले जेरीज गॉइड टू वर्ल्ड वाइड वेब था अप्रैल 1994 में इसे बदल कर याहू डॉट कॉम कर दिया गया।

आलू की खेती में विश्व में तीसरा स्थान रखने वाला भारत 16वीं शती से पहले इसके विषय में जानता तक नहीं था।

नीदरलैंड के लोग दुनिया में सबसे ऊंचे होते हैं। यहां पुरुषों की औसत ऊंचाई पांच फुट साढ़े ग्यारह इंच है, लेकिन दक्षिणी नीदरलैंड में यह औसत एक इंच कम है।

यदि आप ध्वनि की गति से तेज चलने वाले विमान कांकॉर्ड में लंदन से न्यूयॉर्क के लिए चलें तो वहां उस समय से भी दो घंटे पहले पहुंच जाएंगे, जब आप चले थे।

विश्व में पक्षियों की 8650 प्रजातियां हैं, जिसमें से 1230 भारत में पाई जाती हैं।

सदाबहार पौधा बारूद जैसे विस्फोटक को पचाकर उन्हें निर्मल कर देता है।

कुम्हड़े की प्रजाति मैक्सिमा का वजन 34 किलोग्राम से भी अधिक होता है।

मुग़ल उद्यान, दिल्ली में अकेले गुलाब की ही 250 से अधिक प्रजातियां हैं।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर में प्रतिदिन इतना प्रसाद बंटता है कि 500 रसोइए और 300 सहयोगी रोज काम करते हैं।

मध्यप्रदेश के सांवेर गांव में स्थित हनुमान जी का मंदिर उलटे हनुमान के नाम से प्रसिद्ध है। इसमें स्थापित मूर्ति का सिर नीचे और पैर ऊपर हैं।

कालिदास के गीतिकाव्य ऋतुसंहार के छह सर्गों में उत्तर भारत की छह ऋतुओं का विस्तृत वर्णन किया गया है।

बिच्छू की लगभग 2000 जातियां होती हैं, जो न्यूजीलैंड व अंटार्कटिक छोड़कर विश्व के सभी भागों में पाई जाती हैं।

कहानी

घर का हैप्पी बर्थडे

'हां घर को भी।' कहती हुई मम्मी जल्दी से किचन में चली गईं। थोड़ी देर में ही वहां से सूजी भूनने की खुशबू आने लगी। पापा ने फटाफट काजू काटे। इलायची पीसी। नारियल कद्दूकस किया। हलवा बनाने के बाद मम्मी ने उसे प्लेट में पलटकर कलछी से गोल केक जैसा बना दिया। फिर एक छोटी मोमबत्ती भी उस पर लगा दी।

रात हो गई थी। मम्मी ने कहा, 'अंतरिक्ष, चलो दूध पिओ।' फिर कुछ याद करते पापा से बोलीं, 'अरे, मैं तो भूल ही गई। आज हमें इस घर में आए पूरे तीन साल हो गए।'

छोटे से अंतरिक्ष ने पूछा, 'तीन साल, क्या?'

'तीन साल माने क्या?' मम्मी ने दोहराया। वह कुछ बोलतीं, उससे पहले ही पापा ने कहा, 'तीन साल मतलब, आज हमारा घर तीन साल का हो गया। जैसे तुम पिछले महीने पांच साल के हुए थे न।'

'तो आपने तो मेरा हैप्पी बर्थ डे मनाया था।'

'हां, हां बिल्कुल सही कहा। आज घर का हैप्पी बर्थडे है।' मम्मी खुश होते हुए बोलीं।

'तो उसका बर्थ डे केक कहां है। और उसके दोस्त क्यों नहीं आए।'

'अरे हां, घर का बर्थडे तो उसके दोस्त, आसपास के दूसरे घर ही मना सकते हैं। बुलाओ भाई, दूसरे घरों को बुलाओ। फिर जब उनका बर्थडे होगा तो हमारा घर भी चलकर वहां जाएगा।' पापा बोले और खूब हंसे।

'लेकिन अंतरिक्ष, हम और तुम भी तो घर के दोस्त हैं। हैं कि नहीं?' मम्मी ने उसका खाली किया कप सिंक में रखते पूछा।

'यस, घर इज माई फ्रेंड।' अंतरिक्ष बोला तो पापा बोले, 'चलो घर को हैप्पी बर्थडे विश करते हैं।'

'नहीं, पहले केक लाओ। उस पर कैंडल लगाओ और गुब्बारे भी।'

'हां भई, अगर घर का बर्थडे ठीक से नहीं मनाया तो घर बुरा मान जाएगा। नाराज हो जाएगा। मगर इस वक्त केक लाएं कहां से। दुकानें तो बंद हो गई होंगी और ऑन लाइन अगर ऑर्डर करें तो आएगा कब।' पापा ने कहा।

उनकी बात सुनकर मम्मी ने अंतरिक्ष से पूछा, 'अंतरिक्ष क्या हलवा केक से घर का हैप्पी बर्थ-डे मनाएं!'

'हलवा केक।'

'हां, खाकर देखना बहुत मजा आएगा।'

'घर को भी।' अंतरिक्ष ने अपनी फुटबॉल में एक किक मारते हुए कहा।

'हां घर को भी।' कहती हुई मम्मी जल्दी से किचन में चली गईं। थोड़ी देर में ही वहां से सूजी भूनने की खुशबू आने लगी। पापा ने फटाफट काजू काटे। इलायची पीसी। नारियल कद्दूकस किया। हलवा बनाने के बाद मम्मी ने उसे प्लेट में पलटकर कलछी से गोल केक जैसा बना दिया। फिर एक छोटी मोमबत्ती भी उस पर लगा दी।

यह देख अंतरिक्ष बोला, 'आप तो कह रही थीं, घर का थर्ड बर्थडे है।'

'तो कोई बात नहीं। दो कैंडल घर के अगले बर्थ डे पर लगा देंगे।' पापा की बात सुनकर अंतरिक्ष खुश हो गया। वह गाने लगा, 'हैप्पी बर्थ डे माई डियर होम। हैप्पी बर्थ डे टू यू।' पापा, मम्मी ने भी साथ दिया उसका। फिर अंतरिक्ष ने हलवा केक काटा और घर को खिलाने आगे बढ़ा। तो मम्मी ने उसे रोका, 'नो अंतरिक्ष, दीवार पर कुछ मत लगाओ। गंदी हो जाएगी।'

'तो फिर घर केक कैसे खाएगा।' अंतरिक्ष ने पूछा।

'कैसे खाएगा घर?' पापा ने मम्मी से पूछा।

'ऐसा करते हैं अंतरिक्ष, घर का एक सुंदर इलस्ट्रेशन बनाओ। उसी को खिला देंगे तो घर खा लेगा।' मम्मी ने उसे फुसलाया।

'नो, वह भूखा रहेगा। इलस्ट्रेशन कुछ नहीं खा सकता, पानी भी नहीं पी सकता, यह आपने ही तो बताया था उस दिन।'

मम्मी को याद आया कि एक दिन जब अंतरिक्ष ने चिड़िया बनाई थी और उसे पानी पिलाने की कोशिश कर रहा था तो उन्होंने ही कहा था कि चित्र कुछ नहीं खा-पी सकते।

'कोई बात नहीं, करने दो न उसे। दीवार को कल साफ कर देंगे।' पापा ने पास जाकर मम्मी को धीरे से समझाया तो मम्मी ने भी हां कर दी। अंतरिक्ष ने दीवार पर हलवा चिपकाया फिर पूछा, 'टेस्टी है न।' 'घर तो बताएगा ही पहले तुम खाकर बताओ।' मम्मी की बात सुनकर अंतरिक्ष ने खाया और हां में सिर हिलाया। फिर चम्मच से खाने लगा। वह बार-बार हलवा लगी दीवार को देखता जाता कि घर ने अभी हलवा खाया है कि नहीं।

मम्मी और पापा आज बहुत खुश भी हो रहे थे। घर के हैप्पी बर्थडे के बहाने उन्होंने अंतरिक्ष को हलवा खिला दिया था। उसे हलवा बिल्कुल पसंद नहीं था। हो सकता है कि हलवे को हलवा केक कहने से वह आगे भी खाने लगे।

उस रात सोते हुए भी अंतरिक्ष मुस्करा रहा था, जैसे सपने में भी वह अपने घर से बातचीत कर रहा हो। उसका जन्मदिन मना रहा हो। दूर बैठे दादा-दादी ने जब घर के जन्मदिन मनाने के वीडियो को देखा तो वे बहुत खुश हुए। अगले दिन जब अंतरिक्ष सोकर उठा तो दौड़ते हुए मम्मी के पास गया, 'मम्मा देखो, घर ने हलवा केक खा लिया।' उसने दीवार की तरफ इशारा किया। वहां हलवे का नामोनिशान नहीं था। अंतरिक्ष को नहीं पता था कि उसके सो जाने के बाद पापा ने दीवार साफ जो कर दी थी।

गुब्बारों के बारे में मजेदार बातें

गुब्बारे का अविष्कार साल 1824 में महान वैज्ञानिक प्रोफेसर माइकल फैराडे ने किया था।

ज्यादातर पार्टी में इस्तेमाल होने वाले गुब्बारे रबड़ के पेड़ों से मिलने वाले लेक्स से बनते हैं। इनमें सामान्य हवा या हीलियम जैसी कोई गैस भरी जाती है।

लेटेक्स से बने गुब्बारे पूरी तरह से ईको फ्रेंडली होते हैं। इन्हें बनाने के लिए पेड़ों को काटा नहीं जाता। लेटेक्स को पेड़ के तने से इकट्ठा किया जाता है। इससे पेड़ को कोई नुकसान नहीं होता। रबड़ के पेड़ आम तौर पर वर्षा वनों में उगते हैं। रबड़ का एक पेड़ तकरीबन 40 साल तक लेटेक्स का उत्पादन कर सकता है।

एक बार हवा भरकर फुलाए जाने के बाद गुब्बारे अपना वास्तविक आकार एक हफ्ते तक बनाए रख सकते हैं।

गुब्बारा अचानक फटने पर उसकी तेज आवाज से डरने वाले तुम अकेले नहीं हो। इससे ज्यादातर लोग डरते हैं। जैसे ही गुब्बारे में कोई छेद होता है, वैसे ही उसके अंदर भरी हवा एक झटके के साथ बाहर यानी कम दबाव वाले क्षेत्र की तरफ निकलती है, जिससे यह आवाज आती है। हीलियम से बने गुब्बारे हवा में तैरते हैं, क्योंकि हीलियम हवा से कहीं ज्यादा हल्की होती है।

कुत्ते की तरह भौंकती है यह गिलहरी

प्रैरी डॉग

तुम सोच रहे होगे कि दिखने में तो यह गिलहरी जैसी है, फिर इसका नाम प्रैरी डॉग क्यों है? वो इसलिए, क्योंकि प्रैरी डॉग कुत्ते की तरह भौंक सकते हैं। किसी खतरे का अंदेशा होने पर ये भौंकना शुरू कर देते हैं, जिससे उनके दूसरे साथी सतर्क हो जाते हैं। उत्तरी अमेरिका के घास के मौदानों के नीचे सुरंग बनाकर रहने वाले इन जीवों को पारिवारिक जीव कहना गलत नहीं होगा। जानते हो क्यों.क्योंकि प्रैरी डॉग समूह में रहते हैं, एक दूसरे के साथ खाना बांटकर खाते हैं, एक दूसरे की साफ-सफाई करते हैं और जब एक-दूसरे से मिलते हैं तो नाक से नाक मिलाकर एक दूसरे का अभिवादन करते हैं, जैसे तुम अपने दोस्तों से मिलने पर हैंडशेक करते हो, बिल्कुल वैसे ही।

हमिंग बर्ड

यह दुनिया का सबसे छोटा पक्षी है। 25 से 3 इंच की लम्बाई वाले इस पक्षी की दुनिया में लगभग 328 प्रजातियां हैं। हमिंग बर्ड दुनिया में इकलौता ऐसा पक्षी है, जो सीधी-उल्टी, दाएं-बाएं किसी भी दिशा में उड़ सकता है। एक सेकंड में 100 बार अपने पंख फड़फड़ाने वाली यह पक्षी 25-30 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकता है। ये अपनी जिंदगी का 15 फीसदी समय खाना खाने में बिताते हैं और एक दिन में करीब 1000-1500 फूलों का रस पीते हैं।

नेकेड मोल रैट

यह पूर्वी अफ्रीका के मरुस्थल में जमीन के नीचे रहने वाला एक जीव है, जिसे मरुस्थलीय पपी भी कहते हैं, जो देखने में चूहे या छछूंदर की तरह होता है। नेकेड मोल रैट की खास बात यह है कि इसकी आंखों की रोशनी बहुत कम होती है, फिर भी यह रात के अंधेरे में जितनी तेजी से सीधी दिशा में दौड़ सकता है, उतनी ही तेजी से उलटी दिशा में भी दौड़ सकता है।

लायरबर्ड

तुम्हें भी किसी चीज की आवाज की नकल उतारना पसंद होगा, पर कोई और भी है, जिसे ऐसा करना पसंद है। वह है ऑस्ट्रेलिया की लायरबर्ड। यह पक्षी की एक ऐसी प्रजाति है, जो आवाजों की मिमिक्री करती है। यह अन्य पक्षियों के गाने की आवाजों के साथ-साथ कैमरे के शटर, वाद्य यंत्र, कार का अलार्म, खिलौने वाली बंदूक की आवाजों के अलावा निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाले औजारों की आवाज की भी हूबहू नकल उतार सकती है।

बैसलिस्क लिजर्ड

बैसलिस्क अमेरिका में पायी जाने वाली छिपकली/गिरगिट की एक प्रजाति है। लम्बी पूंछ व पीठ पर उभरी हुई जिगजैग किनारी वाली इस लिजर्ड की खासियत है कि यह पानी पर चलती है। खतरे से बचने के लिए यह लिजर्ड अपने पिछले पैरों व पूंछ की सहायता से पानी के ऊपर लगभग 5 फुट प्रति सेकंड की रफ्तार से दौड़ सकती है। और शायद इसीलिए ही इसे 'जीसस क्राइस्ट लिजर्ड' भी कहते हैं। लगभग 15 से 20 फुट तक पानी के ऊपर चलने की क्षमता रखने वाली यह बैसलिस्क लिजर्ड करीब 30 मिनट तक लगातार पानी के अंदर भी रह सकती है। है न यह एक कमाल की छिपकली!

हिसिंग कॉक्रोच

तुमने सांप के अलावा किसी कीड़े को हिस्स की आवाज निकालते हुए सुना है? मेडागास्कर में कॉक्रोच की एक ऐसी प्रजाति रहती है, जो डंक नहीं मारती, बल्कि हिस्स करती है, इसलिए इन्हें हिसिंग कॉक्रोच कहते हैं। यह कॉक्रोच की सबसे लम्बी प्रजाति है। लगभग 2 से 4 इंच तक लम्बे इन कॉक्रोच के पंख नहीं होते। वर्षा वनों में पोषक तत्वों की पुनरावृत्ति के लिए ये उपयोगी माने जाते हैं।

क्या आप भी सर्दी में ठंडे पानी से नहाते हैं?

सर्दी का मौसम आते ही लोग अपने दिनचर्या में बदलाव करते हैं। रजाई में लिपटकर सोना, गर्म कपड़े पहनना और गर्म पानी से नहाना आदत बन जाती है। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो सर्दी में भी ठंडे पानी से नहाना पसंद करते हैं, यह सोचकर कि इससे शरीर में ताजगी और ऊर्जा बनी रहती है। हालांकि, हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि सर्दियों में ठंडे पानी से नहाना सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है, और यह हार्ट अटैक जैसे गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकता है।

ठंडे पानी से नहाने से दिल पर असर

ठंड के मौसम में जब तापमान गिरता है, तो शरीर को गर्म रखने के लिए दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ठंड के प्रभाव में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे शरीर में रक्त प्रवाह कम हो जाता है और दिल को ऑक्सीजन की आपूर्ति भी कम हो जाती है। अगर किसी व्यक्ति की धमनियां पहले से संकरी हैं, तो ठंड के कारण वे और ज्यादा सिकुड़ सकती हैं, जिससे रक्त प्रवाह और भी धीमा हो जाता है। इस स्थिति में हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है।

क्यों बढ़ जाता है सर्दियों में हार्ट अटैक का खतरा?

एक अध्ययन के मुताबिक, सर्दी के मौसम में हार्ट अटैक का खतरा 31त्न बढ़ जाता है। इसका कारण यह है कि ठंड में शरीर को गर्म रखने के लिए दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। यह समस्या खासतौर पर उन लोगों के लिए ज्यादा जोखिम भरी हो सकती है, जो पहले से ही किसी दिल की बीमारी से पीड़ित हैं। ठंड में जब शरीर पर ठंडा पानी अचानक पड़ता है, तो रक्त वाहिकाएं और धमनियां सिकुड़ने लगती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

ठंडे पानी से नहाने का प्रभाव

ठंडे पानी से नहाने से शरीर पर कई तरह के प्रभाव हो सकते हैं

ब्लड प्रेशर में वृद्धि- ठंडे पानी से नहाने से रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती हैं, जिससे रक्त प्रवाह धीमा हो जाता है और ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

दिल पर अतिरिक्त दबाव- जब रक्त वाहिकाएं सिकुड़ती हैं, तो दिल को रक्त पंप करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

हार्ट अटैक का खतरा- अगर धमनियों में पहले से ही कोई रुकावट या संकुचन है, तो ठंडे पानी से नहाने पर वे और ज्यादा सिकुड़ सकती हैं, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है।

ब्रेन स्ट्रोक- अगर रक्त प्रवाह मस्तिष्क तक सही से नहीं पहुंचता, तो ब्रेन स्ट्रोक की समस्या भी हो सकती है।

किसे बचना चाहिए ठंडे पानी से नहाने से?

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि ठंडे पानी से नहाना उन लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है, जो पहले से किसी दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या ब्रेन स्ट्रोक जैसी समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे लोगों को ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए। इसके अलावा, बुजुर्गों और बच्चों को भी ठंडे पानी से नहाने से दूर रहना चाहिए, क्योंकि उनकी शरीर की सुरक्षा प्रणाली उतनी मजबूत नहीं होती।

क्या करें, ताकि सेहत बनी रहे?

गर्म पानी से नहाना- सर्दी में हमेशा गर्म पानी से ही नहाएं, इससे शरीर को आराम मिलेगा और दिल पर दबाव नहीं पड़ेगा।

मध्यम तापमान बनाए रखें- अगर ठंडे पानी से नहाना पसंद है, तो पानी का तापमान थोड़ा सा ठंडा न रखें, बल्कि गर्मी और ठंडे पानी का संतुलन बनाकर नहाएं। स्वस्थ आहार और व्यायाम- ठंड में शरीर को गर्म रखने के लिए स्वस्थ आहार लें और नियमित व्यायाम करें। यह दिल को स्वस्थ रखने में मदद करेगा।

सर्दी में ठंडे पानी से नहाना ताजगी का अहसास जरूर कराता है, लेकिन यह शरीर पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, खासकर दिल पर। ठंडे पानी से नहाने से रक्त वाहिकाओं के सिकुड़ने और ब्लड प्रेशर के बढ़ने का खतरा होता है, जो हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का कारण बन सकता है। इसलिए, सर्दी में अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए, खासकर अगर आपको दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेना का ट्रक खाई में गिरने से 04 जवान शहीद, 2 गंभीर रूप से घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार दोपहर हुए एक बड़े सड़क हादसे में सेना के 04 जवान शहीद हो गए। भारतीय सेना का एक ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरा, जिसमें 04 जवान शहीद हो गए, जबकि 02 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा बांदीपोरा जिले के एसके पायीन इलाके में हुआ। अधिकारियों के अनुसार, खराब मौसम और कम विजिबिलिटी के कारण ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में गिर गया। घटना के समय ट्रक में कुल छह जवान सवार थे। सेना ने हादसे पर बयान जारी करते हुए कहा है, कि यह घटना अत्याधिक खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण घटित हुई है। भारतीय सेना ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि हादसे की विस्तृत जांच की जा रही है। इसके साथ ही घायलों का बेहतर इलाज किया जा रहा है। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है।

उपराज्यपाल ने जताया शोक

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। एलजी ने कहा, कि भारतीय सेना के बहादुर जवानों की शहादत पर गहरा दुख है। राष्ट्र उनके बलिदान और सेवा को हमेशा याद रखेगा।

गोरखपुर में दो छात्रों ने वेबसाइट हैक कर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी

गोरखपुर। गोरखपुर के बीबीए की तैयारी करने वाले दो छात्रों ने क्रीन क्रूज की वेबसाइट हैक कर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की। आरोपितों में राजन साहनी और शिवम निषाद शामिल हैं। इन दोनों ने क्रूज के टिकटों को एक रुपये में बुककर, 31 दिसंबर को पार्टी की थी। पुलिस और एसटीएफ ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, शिवम और राजन ने एप का इस्तेमाल कर वेबसाइट हैक कर उसके द्वारा टिकट बुक किए। पहले, 27 दिसंबर को राजन ने एक टिकट बुक किया था, इसके बाद शिवम ने फिर से 31 दिसंबर को चार टिकट बुक किए, जिसकी कुल कीमत 12 हजार रुपये थी। धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ जब साफ्टवेयर मैनेजर ने क्रूज के खातों की जांच की। तब पता चला कि वेबसाइट में भुगतान सफल दिखने के बावजूद, सिर्फ एक रुपये ही खाते में जमा हुए थे। जांच में शिवम के पास से लैपटॉप और महंगे मोबाइल बरामद हुए, जो कि शिवम ने धोखाधड़ी से कमाए गए पैसों से खरीदा था।

एक बार फिर कच्छ में जमीन थर्राई, भूकंप से किसी प्रकार का नुकसान नहीं

कच्छ। फिर एक बार कच्छ जिले में भूकंप का झटका महसूस किया गया है। कच्छ के दुधई इलाके में 3.8 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र दुधई से 28 किमी दूर बताया गया है। भूकंप शाम 4:37 बजे महसूस किया गया। राहत बात है कि भूकंप के झटके से किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है। इससे पहले नए साल के पहले दिन कच्छ में 3.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें कोई नुकसान नहीं हुआ था। 1 जनवरी 2025 को भूकंप सुबह 10.24 बजे दर्ज किया गया, जिसका केंद्र भचाऊ से 23 किमी उत्तर-उत्तर पूर्व में स्थित था।

पेरिया दोहरे हत्याकांड मामले में 10 लोगों को आजीवन कारावास

कोच्चि। सीबीआई अदालत ने पेरिया में पांच साल पहले युवा कांग्रेस के दो कार्यकर्ताओं की हत्या मामले में 10 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वहीं, मामले में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एक पूर्व विधायक सहित चार अन्य लोगों को 5-5 साल जेल की सजा सुनाई। घटना कासरगोड जिले में पांच साल पहले हुई थी। अदालत ने बीते शनिवार को 14 आरोपियों को दोषी ठहराया था। इसमें 10 दोषियों को हत्या और आपराधिक साजिश के दो मामलों में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। दोनों मामलों में उनकी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इन 10 दोषियों पर हत्या और आपराधिक साजिश का आरोप लगा था। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर दो-दो लाख का जुर्माना भी ठोंका है। यह मामला 17 फरवरी, 2019 को कथित तौर पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा युवा कांग्रेस कार्यकर्ता कृपेश (19) और सरत लाल पी.के. (24) की हत्या करने से संबंधित है। एर्नाकुलम से कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने पेरिया दोहरे हत्याकांड मामले में सीबीआई अदालत के फैसले की सराहना की। वहीं पीड़ित परिवारों की नाराजगी को भी स्वीकार किया। कांग्रेस सांसद ने कहा, एर्नाकुलम सीबीआई अदालत ने पेरिया दोहरे हत्याकांड मामले में सबसे महत्वपूर्ण फैसला सुनाया गया, जहां दो युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सीपीआईएम द्वारा और सरकार की मदद से हत्या कर दी गई थी। हम उस सजा का स्वागत करते हैं, जिसमें 10 मुख्य दोषियों को दोहरे आजीवन कारावास की सजा दी गई है।

बेंगलुरु की कोर्ट से निकिता, निशा और अनुराग सिंघानिया को राहत, मिली जमानत

नई दिल्ली। बेंगलुरु के सिटी सिविल कोर्ट ने निकिता सिंघानिया (पत्नी), निशा सिंघानिया (सास) और अनुराग सिंघानिया (जीजा) को जमानत दे दी। सिंघानिया ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी और अंतरिम जमानत की मांग की थी। उसके वकील ने अदालत को बताया था कि उसकी गिरफ्तारी अवैध थी और पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए कोई आधार नहीं दिया था। वकील ने अदालत से सिंघानिया को अंतरिम जमानत देने का आग्रह किया ताकि वह उच्चतम न्यायालय में अपना बचाव कर सकें। अतुल सुभाष की मां ने सुप्रीम कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की है। सिंघानिया के वकील ने तर्क दिया कि जमानत के बिना, वह कार्यवाही में शामिल नहीं हो सकेंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि उस मामले में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका एक हिरासत लड़ाई के बराबर होगी जिसे उसकी अनुपस्थिति में अस्वीकार कर दिया जाएगा।

आईआईएम मुंबई ने जीता प्रतिष्ठित लीप्स-2024 पुरस्कार

-शिक्षा और कौशल विकास श्रेणी के 34 प्रतिभागियों में आईआईएम मुंबई रहा अव्वल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) मुंबई ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए लॉजिस्टिक्स सेक्टर श्रेणी में इंस्टीट्यूशन-एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट का लीप्स 2024 (लीप्स-2024) पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव हासिल किया है। इस तरह संस्थान ने 34 प्रतिष्ठित प्रतिभागियों में प्रथम स्थान प्राप्त कर लॉजिस्टिक्स शिक्षा और कौशल विकास में अपने नेतृत्व को और मजबूती से प्रस्तुत किया है। यह पुरस्कार केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल द्वारा प्रोफेसर मनोज कुमार तिवारी को प्रदान किया गया।

गौरतलब है कि लीप्स 2024 यानि लॉजिस्टिक्स एक्सीलेंस, एडवांसमेंट एंड परफॉरमेंस शील्ड की यह पहल लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम के भीतर असाधारण योगदान और इनोवेशंस को सम्मान देती है, जिसमें एमएसएमई, स्टार्टअप और प्रमुख सक्षमकर्ता शामिल हैं जो बदलाव करने वाले कार्यों और महत्वपूर्ण प्रभाव का प्रदर्शन करते हैं।

पुरस्कार के साथ, बहुप्रतीक्षित लॉजिस्टिक्स ईज एक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स रिपोर्ट 2024 का भी अनावरण किया जाना है। राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति, 2022 के तहत डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) द्वारा किया जाने वाला यह वार्षिक मूल्यांकन पूरे भारत में लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप प्रदान करता है।

इस घोषणा से बेहद उत्साहित, आईआईएम मुंबई के निदेशक प्रोफेसर मनोज कुमार तिवारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह सम्मान भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए मैनेजमेंट की शिक्षा और कौशल विकास में उत्कृष्टता लाने के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम भारत सरकार और गवर्निंग बॉडीज के प्रति उनके निरंतर समर्थन और हमारे दृष्टिकोण में विश्वास रखने के लिए बहुत आभारी हैं। जैसे-जैसे लॉजिस्टिक्स भारत की आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण होता जा रहा है, आईआईएम मुंबई भविष्य के लिए तैयार वर्कफोर्स को सशक्त बनाने के लिए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, स्थिरता और क्षमता निर्माण जैसे उभरते ट्रेंड्स के साथ अपने प्रयासों को संरेखित करने के लिए समर्पित है।

ऑलकार्गो ग्रुप के संस्थापक और चेयरमैन तथा आईआईएम मुंबई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष शशि किरण शेट्टी भारत के लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन इंडस्ट्री को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पिछले तीन दशकों में, उन्होंने पुराने बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे और वेयरहाउसिंग सिस्टम को आधुनिक, प्रौद्योगिकी-संचालित सल्यूशंस बदले जाने का नेतृत्व किया है, जिससे भारत वैश्विक व्यापार में एक प्रतिस्पर्धी देश बन गया है।

जब से श्री शेट्टी ने आईआईएम मुंबई बोर्ड के अध्यक्ष की भूमिका संभाली है, तब से संस्थान ने लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में इनोवेशन के ड्राइवर्स के रूप में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने में बहुत अधिक गति प्राप्त की है, क्योंकि वे संस्थानों को आधुनिक, तकनीक-सक्षम प्रथाओं, प्रतिभा को बढ़ावा देने और इंडस्ट्री कोलैबरेशन के केंद्र के रूप में हैं। श्री शशि किरण शेट्टी के इस दृष्टिकोण का उद्देश्य टिकाऊ और कुशल समाधानों को आगे बढ़ाते हुए ग्लोबल लॉजिस्टिक्स हब के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करना है।

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के लिए नोडल एजेंसी के रूप में आईआईएम मुंबई की महत्वपूर्ण भूमिका और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति को आकार देने में इसकी सक्रिय भागीदारी भारत के लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचे के परिदृश्य में इसके अद्वितीय योगदान को रेखांकित करती है।

आईआईएम मुंबई को मिला यह सम्मान न केवल प्रबंधन शिक्षा और इनोवेशन में उत्कृष्टता के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है, बल्कि इसे भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रमुखता दिलाने में अग्रणी के रूप में भी स्थापित करता है।

आईआईएम मुंबई के बारे में

भारत सरकार द्वारा देश की आर्थिक राजधानी में 1963 में स्थापित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट मुंबई (आईआईएम मुंबई) का लगातार भारत के शीर्ष बी-स्कूलों में शुमार रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों में लगभग 1,200 छात्रों के साथ, आईआईएम मुंबई देश में प्रबंधन शिक्षा में अग्रणी है और पूरे भारत में प्रबंधन संस्थानों में 2024 के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशन रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में 6वें स्थान पर है। आईआईएम मुंबई ऑपरेशंस मैनेजमेंट, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, अनालिटिक्स, फाइनेंस, मार्केटिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, एचआर, इंफॉर्मेशन टेक्नालॉजी और सस्टेनेबिलिटी मैनेजमेंट जैसे विविध कार्यात्मक क्षेत्रों में कुशल प्रोफेशनल्स को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जदयू के पोस्टर से गायब पीएम मोदी, क्या फिर खेला करने को तैयार नीतीश बाबू

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान एक पोस्टर ने सियासी बवाल मच गया है। सीएम नीतीश कुमार ने जिले में आईटीआई का उद्घाटन कर कई विकास योजनाओं की शुरुआत की, लेकिन पोस्टर के विवाद ने बीजेपी और जदयू के रिश्तों में खटास का संकेत दे दिया है। जिला समाहरणालय के मुख्य द्वार पर जदयू द्वारा लगे पोस्टर में मुख्यमंत्री नीतीश के साथ-साथ पार्टी के कई नेताओं और मंत्रियों के फोटो थे, लेकिन पोस्टर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के किसी अन्य नेता का फोटो नहीं था। इस पर बीजेपी के पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने सवाल उठाकर कहा कि यह गठबंधन धर्म का उल्लंघन है। उन्होंने मामले में जदयू के राष्ट्रीय नेतृत्व से जांच की मांग कर कहा कि यह मुद्दा एनडीए की बैठक में भी उठाया जाएगा। बीजेपी नेताओं का आरोप था कि पोस्टर में जानबूझकर प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी के नेताओं को शामिल नहीं किया गया, जो एक सियासी संदेश देता है। जैसे ही यह खबर मीडिया में आई, जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बीजेपी नेताओं के फोटो पोस्टर पर लगा दिए। इस घटनाक्रम ने एनडीए गठबंधन में दरार की चर्चाओं को हवा दी है, और सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या नीतीश कुमार फिर से खेला करने जा रहे हैं। अब सभी की नजरें इस पर हैं कि क्या यह सियासी विवाद गठबंधन टूटने की दिशा में कोई बड़ा कदम होगा।

पटना साहिब में श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का प्रकाश उत्सव पर्व का आगाज

*** 6 जनवरी की दोपहर 1:00 बजे आ सकते हैं केंद्रीय मंत्री अमित शाह**

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना (ईएमएस)। बोले सो निहाल सत श्री अकाल की गूंज से पटना साहिब शनिवार की सुबह गूंजने लगा। प्रभात फेरी, नगर कीर्तन के साथ ही सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का 358वां प्रकाश उत्सव पर्व का आगाज हो गया। तीन दिनों तक चलने वाले प्रकाश उत्सव पर्व में देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। पटना साहिब गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह ने बताया कि इस वर्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 6 जनवरी की दोपहर 1:00 बजे आ सकते हैं।

शनिवार की सुबह से ही बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं का सिलसिला शुरू हो गया है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों से हजारों की संख्या में सिख श्रद्धालु पटना साहिब पहुंच रहे हैं। इसके लिए प्रबंधन कमेटी के लोगों ने भी सभी लोगों के ठहरने की पूरी व्यवस्था की है। पटना साहिब के बाल लीला गुरुद्वारा, कंगन घाट, मुख्य गुरुद्वारा पटना साहिब, अतिथिशाला सहित सभी जगह को श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित किया गया है।

सिंह ने बताया कि इस वर्ष केंद्र सरकार सहित राज्य सरकार के सभी मंत्रियों को गुरु पर्व के मौके पर आने का निमंत्रण भेजा गया है। इसके अलावा उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राज्यपाल मोहम्मद आरिफ खान, उपमुख्यमंत्री सहित कई मंत्रियों के आने के भी संभावना है। उन्होंने बताया कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पटना साहिब प्रबंधन कमेटी के अलावा बिहार सरकार के तरफ से भी समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि भूरी वाले के तरफ से और प्रबंधन कमेटी की तरफ से सभी श्रद्धालुओं के लिए लंगर 24 घंटे के लिए खोल दिए गए हैं।

तीन दिनों का परीक्षण हुआ सफल: अब 180 की तेज गति से दौड़ेगी वंदे भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने पिछले तीन दिनों में अपने कई परीक्षणों में 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की है। जनवरी के अंत तक यह परीक्षण जारी रहेंगे। उसके बाद देश भर के रेल यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह विश्व-स्तरीय यात्रा उपलब्ध कराई जाएगी।

कोटा डिवीजन में सफल परीक्षण का एक वीडियो साझा करते हुए, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर अपनी पोस्ट में इसकी गति का उल्लेख किया। वीडियो में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के अंदर एक मोबाइल के बगल में पानी से भरा गिलास दिखाया गया है। पानी का स्तर स्थिर देखा जा सकता है। आशय ये है कि चलती ट्रेन 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम और स्थिर गति प्राप्त करती है। हाई-स्पीड रेल यात्रा में वंदे भारत यात्रियों को आराम का अनुभव कराती है। यह पोस्ट 3 दिनों के सफल परीक्षणों के बाद आया है, जो 2 जनवरी को समाप्त हुआ, जिसमें वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने अपनी भरी हुई स्थिति में अधिकतम गति प्राप्त की।

वंदे भारत ट्रेनें अब कई शताब्दी ट्रेन मार्गों पर उपलब्ध हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस

भारत की सबसे तेज़ ट्रेन है और 180 किमी/घंटा तक की गति तक पहुंचने में सक्षम है। अब तक, यह दिल्ली और वाराणसी जैसे छोटे और मध्यम दूरी के प्रमुख शहरों को जोड़ती है और एक शानदार यात्रा अनुभव प्रदान करती है। विशेषज्ञों का मानना है कि वंदे भारत ट्रेनें गति और आराम का एक सहज मिश्रण प्रदान करती हैं। यह केवल यात्रा का एक तरीका नहीं है बल्कि आधुनिक भारतीय इंजीनियरिंग का एक अनुभव है।

रेलवे के लिए असली चुनौती बर्थ जोड़ना और ट्रेनों को पूर्ण यात्री और सामान लोड की स्थिति के लिए परीक्षण करना था ताकि उन्हें 180 किमी/घंटा की अधिकतम गति प्राप्त करते हुए वंदे भारत स्लीपर कोच में परिवर्तित किया जा सके। इन सफल परीक्षणों के साथ, रेल यात्री कश्मीर से कन्याकुमारी, दिल्ली से मुंबई, हावड़ा से चेन्नई और कई अन्य मार्गों जैसे लंबी दूरी की यात्राओं में विश्व-स्तरीय यात्रा अनुभव की उम्मीद कर सकते हैं। उन्हें यात्रा का समय काफी कम होने से लाभ होगा। मुंबई-दिल्ली लंबी दूरी की यात्रा की वर्तमान औसत गति 90 किमी/घंटा है, जिसमें तेजस राजधानी एक्सप्रेस के लिए अधिकतम स्वीकार्य गति 140 किमी/घंटा है, जो देश में सभी राजधानी ट्रेन सेवाओं में सबसे तेज है।

कोटा और लबान के बीच हुआ परीक्षण

राजस्थान के बूंदी जिले में कोटा और लबान के बीच 30 किलोमीटर लंबे ट्रायल रन के दौरान ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। वर्ष 2025 के पहले दिन रोहल खुर्द से कोटा के बीच 40 किलोमीटर लंबे ट्रायल रन में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। इसी दिन कोटा-नागदा और रोहल खुर्द-चौमहला सेक्शन पर 170 किलोमीटर प्रति घंटे और 160 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) लखनऊ की निगरानी में ये ट्रायल जनवरी महीने तक जारी रहेंगे। एक बार ये परीक्षण पूरे हो जाने के बाद, रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा अधिकतम गति पर ट्रेन का मूल्यांकन किया जाएगा। अंतिम चरण में सफल होने के बाद ही, वंदे भारत ट्रेनों को आधिकारिक रूप से प्रमाणित किया जाएगा और उन्हें भारतीय रेलवे को शामिल करने और नियमित सेवा के लिए सौंप दिया जाएगा।

एससी/एसटी छात्रों की आत्महत्या पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, यूजीसी से मांगा डेटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में एससी/एसटी वर्ग के छात्रों द्वारा की गई आत्महत्याओं और जातिगत भेदभाव के मामलों पर सख्त रुख अपनाया है। रोहित वेमुला और पायल ताडवी की मां द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को निर्देश दिया कि वह केंद्रीय, राज्य, निजी और मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से इन मामलों से संबंधित आंकड़े इकट्ठा करे।

सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी को 2012 के रेग्युलेशन के तहत बनाए गए समान अवसर सेल्स (ईओसी) की शिकायतों और उन पर उठाए गए कदमों की रिपोर्ट पेश करने का भी आदेश दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए नियमित सुनवाई की जाएगी।

2012 रेग्युलेशन के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

सुप्रीम कोर्ट ने 2004 से 2024 के बीच आईआईटी संस्थानों में 115 आत्महत्याओं के आंकड़ों पर चर्चा करते हुए कहा कि 2012 के यूजीसी रेग्युलेशन को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए मजबूत तंत्र आवश्यक है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जातिगत भेदभाव के मामलों को खत्म करने के लिए संस्थानों में शिकायत निवारण प्रणाली को और सशक्त बनाना होगा।

रोहित वेमुला और पायल ताडवी के मामले प्रमुख

याचिका में विशेष रूप से रोहित वेमुला और पायल ताडवी के मामलों का उल्लेख किया गया है। रोहित वेमुला ने 17 जनवरी 2016 को हैदराबाद विश्वविद्यालय में जातीय भेदभाव के आरोपों के चलते आत्महत्या कर ली थी। इसी तरह, पायल ताडवी, जो मुंबई के टीएन टोपीवाला मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रही थीं, ने 22 मई 2019 को आत्महत्या कर ली। याचिकाकर्ता ने एससी/एसटी छात्रों और शिक्षकों के खिलाफ भेदभाव रोकने के लिए मजबूत और प्रभावी तंत्र की मांग की है। कोर्ट ने यह सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता जताई कि संस्थान शिकायतों को गंभीरता से लें और भेदभाव रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की वकील इंदिरा जयसिंह ने अदालत के समक्ष इन मुद्दों की गंभीरता को रेखांकित किया। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई को प्राथमिकता देते हुए आगे की कार्रवाई का संकेत दिया है।

खुद को मॉडल बता कर सैकड़ों लड़कियों से दोस्ती, फिर निजी तस्वीरों से ब्लैकमेलिंग का काम

*** दिल्ली पुलिस ने शातिर साइबर क्रिमिनल तुषार बिष्ट को गिरफ्तार किया**

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने 23 साल के शातिर साइबर क्रिमिनल तुषार बिष्ट को गिरफ्तार किया है, तुषार ने फेक प्रोफाइल बनाकर ऑनलाइन डेटिंग एप पर सैकड़ों लड़कियों से दोस्ती कर उनकी निजी तस्वीरें प्राप्त कर उन्हें ब्लैकमेल किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने खुद को एक अमेरिकी फ्रीलांस मॉडल बताकर और ब्राजील के मॉडल की तस्वीर का इस्तेमाल कर लड़कियों को अपने जाल में फंसाया।

पुलिस ने बताया कि तुषार ने 18 से 30 साल की उम्र की लड़कियों को निशाना बनाया था। वह बंबल, स्नैपचैट और अन्य डेटिंग एप पर एक अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल नंबर का उपयोग करता था। जब महिलाएं आरोपी तुषार से दोस्ती करने लगती थीं, तब वह उनकी निजी तस्वीरें और वीडियो मांगता था और बाद में उन्हें वायरल करने की धमकी देकर पैसे वसूलता था।

विवाद तब बढ़ा जब एक दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा ने तुषार से अपनी निजी तस्वीरें साझा की थीं और इसके बाद में ब्लैकमेलिंग का शिकार हुई। आरोपी ने छात्रों को धमकी दी कि यदि पैसे नहीं दिए, तब वहां उसकी निजी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देगा। परेशान होकर छात्रा ने अपने परिवार को बताकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने आरोपी की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया। तुषार के पास से कई फर्जी आईडी, एक मोबाइल फोन,

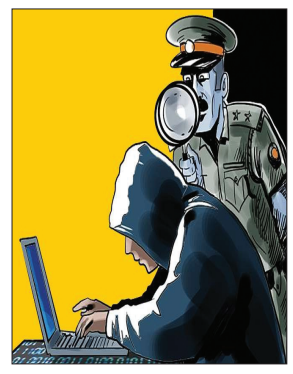

और 13 क्रेडिट कार्ड बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, तुषार ने 500 से अधिक महिलाओं से चैटिंग की और उनके व्यक्तिगत डेटा का गलत फायदा उठाकर पैसों की उगाही की। अब तक 4 अन्य महिलाओं की भी पहचान की जा चुकी है, जो तुषार के शिकार बनी थी।

भारत के कथित गुप्त मिशनों की खबरों को भारत ने नकारा कहा- पूर्वाग्रह से ज्यादा कुछ नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट की कुछ खबरों को लेकर भारत में काफी चर्चा हुई। मालदीव और पाकिस्तान में भारत के कथित गुप्त मिशनों वाली दोनों खबरों को लेकर भारत ने बेहद कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे पूर्वाग्रह से ज्यादा कुछ नहीं बताया। मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस पर पूछे गए प्रश्न के जवाब में कहा कि वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित यह दोनों खबरें निराधार, गैर-विश्वसनीय और भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैये वाली हैं। इसलिए हम इन्हें सिरे से खारिज करते हैं। जायसवाल ने यह भी कहा कि इन दोनों खबरों को देखकर ऐसा लगता कि अखबार और उसके संवाददाता दोनों ही भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया रखते हैं। आप उनकी गतिविधियों और खबरों में एक पैटर्न को देख सकते हैं। ऐसे में उनकी विश्वसनीयता कितनी है, उसके आकलन का काम हम आप पर छोड़ते हैं। जहां तक हमारा सवाल है, हमें उनमें कोई विश्वसनीयता नजर नहीं आती है।

वाशिंगटन पोस्ट ने मालदीव पर डेमोक्रेटिक रिन्यूअल इनिशिएटिव नामक एक आंतरिक दस्तावेज के हवाले से अपनी खबर में यह दावा किया कि राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू को उनके पद से हटाने के लिए उन पर महाभियोग चलाने के लिए मालदीव के विपक्षी नेताओं ने उनकी पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस के कुछ सदस्यों सहित विपक्ष के 40 सांसदों ने भारत से कथित तौर पर लगभग 6 मिलियन डॉलर (51 करोड़ रुपए) की रिश्वत की मांग की थी। मालदीव की विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने पिछले साल 2024 की शुरुआत में भारत से रिश्वत की यह मांग की थी। हालांकि ये सफल नहीं हो पाई थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस काम को पूरा करने के लिए भारत के रिसर्च एंड एनालिसिस विंग यानी रॉ के एजेंटों की मालदीव के विपक्षी सांसदों से गुप्त चर्चा भी हुई। वहीं, पाकिस्तान को लेकर आई खबर में वाशिंगटन पोस्ट ने अनाम पाकिस्तानी और पश्चिमी अधिकारियों के हवाले से कहा है कि भारत की खुफिया एजेंसी रॉ वर्ष 2021 से पाकिस्तान के अंदर आधा दर्जन लोगों को मारने का एक कार्यक्रम चला रही है।

चीन के दो नए काउंटी मंजूर नहीं

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने चीन से जुड़े एक प्रश्न के जवाब में कहा कि हमने चीन की होटन प्रांत में दो नई काउंटियों की स्थापना से जुड़ी हुई घोषणा देखी है। इन तथाकथित काउंटियों के कुछ हिस्से भारत के केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख क्षेत्र में भी आते हैं। यह हमें बिलकुल भी मंजूर नहीं है। भारत ने कूटनीतिक माध्यमों से इसे लेकर चीनी पक्ष के सामने अपना

विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने कहा, हमने इस भारतीय क्षेत्र पर कभी भी चीन के अवैध कब्जे को स्वीकार नहीं किया है। नए काउंटियों के निर्माण से इस क्षेत्र पर न ही हमारी संप्रभुता को लेकर भारत की दीर्घकालिक और स्थापित स्थिति पर कोई फर्क पड़ेगा और न ही इससे चीन के अवैध कब्जे को कोई मान्यता मिल पाएगी। पूर्वोत्तर भारत से लगे तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन की बांध (यारलुंग जांगबो) बनाने की कोशिश को लेकर जायसवाल ने कहा कि भारत अपने हितों की रक्षा के लिए इस मामले पर लगातार निगरानी रखेगा और जरूरी कदम उठाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेपाल के बाल गायक सचिन ने 15 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

कांठमांडू। नेपाल के प्रसिद्ध बाल गायक सचिन परियार का निधन हो गया है। महज 15 साल की उम्र में सचिन की ऑक्सीजन की कमी और हार्ट अटैक के कारण उनका निधन हुआ है। काठमांडू के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा था, जहां 2 जनवरी को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा। मीडिया रिपोर्ट में अस्पताल सूत्रों के मुताबिक सचिन कई सालों से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे और पांच साल तक इलाज के बावजूद उनकी

हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। सचिन के निधन से उनके प्रशंसकों और परिवार गहरे सदमें में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सचिन की मां और पिता अपने बेटे के निधन के बाद सुदबुद खो चुके हैं। इंटरनेट पर सामने आए वीडियो में सचिन के अंतिम संस्कार के दृश्य में उनके माता-पिता को रोते बिलखते देखा गया। सचिन की मां की चीखें दिल दहला देने वाली थीं, क्योंकि वह अपने बेटे को खोने के दुख सह नहीं पा रही थी। सचिन के पिता भी सहारा लेते दिखाई दिए। एक तस्वीर में सचिन की मां अपने बेटे के शव के पास खड़ी थीं, जो फूलों से सजा था और माथे पर लाल कुमकुम लगा था। सचिन परियार को 28 दिसंबर, 2024 को तेज बुखार, दौरे और चेतना के चलते अस्पताल में भर्ती कराया था। उनके स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आई और उन्हें निमोनिया, कई अंगों की शिथिलता, तीव्र किडनी की चोट, एन्सेफैलोपैथी और रक्तस्राव विकार जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा। एन्सेफैलोपैथी एक ऐसी बीमारी है जिसमें मस्तिष्क का कार्य या संरचना प्रभावित होता है। बता दें छोटी सी उम्र में ही सचिन ने नेपाली मनोरंजन उद्योग में अपनी विशेष पहचान बनाई। वह अपने लोकप्रिय गीत ओथा खोलेरा के लिए बहुत मशहूर थे। सचिन की यादें हमेशा उनके प्रशंसकों के दिलों में जीवित रहेंगी और उनका योगदान नेपाली संगीत जगत में हमेशा याद किया जाएगा।

इथोपिया में 5.5 तीव्रता का आया भूकंप, ज्वालामुखी के फटने से तबाही की आशंका

अदीस अवावा। यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक इथोपिया में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 10 किमी (6.21 मील) की गहराई पर था। इससे पहले दिन में, अनादोलु अजांसी ने इथियोपिया के केंद्रीय माउंट डोफन में ज्वालामुखी विस्फोट की सूचना दी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस क्षेत्र में हाल ही में लगातार छोटे-छोटे झटके महसूस किए गए हैं। लगातार आने वाले इन झटकों ने संभावित बड़ी आपदा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। खास तौर पर अवाश फेंटाले क्षेत्र में, जो अदीस अबाबा से लगभग 142 मील (230 किमी) दूर है। हाल के हफ्तों में, इस क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक छोटे भूकंप आए हैं। इससे निवासियों को इस मुद्दे पर चिंता हो रही है। राज्य के स्वामित्व वाली फना ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्रीय प्रशासक अब्दु अली ने कहा है कि अधिकारी जोखिम वाले निवासियों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित करके हताहतों को रोकने के प्रयास कर रहे हैं। अली ने बताया कि भूकंप के झटके जारी हैं और अधिक शक्तिशाली होते जा रहे हैं। सबसे हालिया झटके रात में अदीस अबाबा में महसूस किए गए। उन्होंने कहा कि क्रेटर से धुआं निकलना बंद हो गया है। लेकिन ज्वालामुखी से लावा अभी भी बह रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों और मवेशियों को निकाला गया है, लेकिन उन्होंने संख्या नहीं बताई। एडिस स्टैंडर्ड के अनुसार, सितंबर के अंत से अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इस क्षेत्र में 67 से अधिक भूकंप दर्ज किए हैं। विशेष रूप से फैंटेल क्षेत्र में जो ग्रेट रिफ्ट वैली का हिस्सा है। प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों ने समाचार पत्र को बताया कि 30 से अधिक घर ढह गए हैं, जहां भूकंप के झटके अधिक बार और अधिक हिंसक हो गए हैं। एक स्थानीय निवासी ने समाचार पत्र को बताया, 'घर दिन-प्रतिदिन ढह रहे हैं।

स्टॉक मार्केट में हुआ करोड़ों का नुकसान तो फ्री कूपन का लेने लगे आनंद

-2024 में संपत्ति 31.5 करोड़ रुपए पहुंची, आज भी साइकिल से चलते हैं

टोक्या। 75 साल के जापानी बुजुर्ग हिरोटो किरितानी, जिन्हें गॉड ऑफ फ्रीबीज के नाम से जाना जाता है। वह अनोखी लाइफस्टाइल के चलते इंटरनेट पर छाए हुए हैं। करोड़ों की संपत्ति के मालिक होने के बावजूद किरितानी हर दिन कूपन और मुफ्त ऑफर्स का पूरा फायदा उठाते हैं।किरितानी जो जापानी शतरंज जैसे खेल शोगी के शानदार खिलाड़ी थे, उन्होंने अपने करियर की शुरुआत शेयर बाजार में सिक्योरिटीज फर्म में टीचर के तौर पर की थी। वहीं पर उन्होंने शेयर ट्रेडिंग के गुर सीखे और पहली बार 10 करोड़ येन यानी 5.29 करोड़ रुपए की कमाई की। 2024 तक उनकी संपत्ति बढ़कर 60 करोड़ येन यानी 31.5 करोड़ रुपए तक पहुंच गई लेकिन वह आज भी साइकिल से ही चलते हैं। 2008 के स्टॉक मार्केट क्रैश में 20 करोड़ येन का नुकसान होने के बाद किरितानी ने ठान लिया कि अब एक भी पैसा बेकार नहीं जाने देंगे। उन्होंने एक हजार से ज्यादा कंपनियों के शेयर खरीदकर उनके कूपन और शेयरहोल्डर परक्स का इस्तेमाल किया। शेयरहोल्डर परक्स उन विशेष लाभों को कहते हैं, जो कंपनियां अपने शेयरधारकों को देती हैं। इनमें डिस्काउंट कूपन, मुफ्त प्रोडक्ट सैंपल, फ्री टिकट्स, गिफ्ट्स, बोनस और कंपनी इवेंट्स में शामिल होने का मौका शामिल है। कुछ कंपनियां अतिरिक्त लाभ जैसे बोनस शेयर या डिविडेंड भी देती हैं, जो निवेशकों की वफादारी बनाए रखने में मदद करते हैं। किरितानी हर सुबह टोक्यो की सड़कों पर अपने कूपन से खरीदी गई साइकिल से निकलते हैं। वह मुफ्त खाने के लिए रेस्टोरेंट जाते हैं। फ्री जिम में एक्सरसाइज करते हैं और यहां तक कि फ्री मूवी टिकट्स के जरिए हर साल 140 फिल्में देखते हैं। मजेदार बात यह है कि वह फिल्मों का आनंद नहीं लेते, बल्कि थिएटर की आरामदायक सीट्स पर सो जाते हैं। किरितानी का मानना है कि कूपन का सही इस्तेमाल करना उनके जीवन का उद्देश्य है। उनकी अनोखी कहानी ने उन्हें इंटरनेट सेंसेशन बना दिया है। सोशल मीडिया पर लोग उनकी इस लाइफस्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

जॉनसन बने हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव के स्पीकर

वॉशिंगटन। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव में रिपब्लिकन सांसद माइक जॉनसन को फिर से स्पीकर चुन लिया गया। जॉनसन को नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भी सपोर्ट हासिल था। हालांकि ट्रम्प के सपोर्ट के बाद भी उन्हें जीत के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। लुइसियाना से सांसद माइक जॉनसन को 2023 में भी इसी हाउस का स्पीकर चुना गया था। जॉनसन को दोबारा स्पीकर बनने के लिए 218 वोट की जरूरत थी। लेकिन शुरुआत में उनकी रिपब्लिकन पार्टी के ही 3 सांसदों ने उनका सपोर्ट करने से इनकार कर दिया। इसके बाद जॉनसन ने बहुमत हासिल करने के लिए 45 मिनट तक लॉबिंग की। तब जाकर दो उन्हें रिपब्लिकन सांसदों का सपोर्ट मिला, जिससे वो बहुमत हासिल कर पाए।

अमेरिका में ट्रक से कुचलने के बाद, गोलीबारी की घटना....4 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया

वाशिंगटन। अमेरिका में ट्रक से कुचलने की घटना के बाद अब वाशिंगटन डीसी में गोलीबारी की घटना हुई है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, फायरिंग के बाद 4 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया है। घायलों में 3 पुरुष और एक महिला शामिल है। घटना रात करीब 9 बजे हुई। हमले की चपेट में आए सभी पीड़ित होश में हैं। बात दें कि गोलीबारी की घटना हैरी थॉमस वे नॉर्थईस्ट के 1500 ब्लॉक में हुई, जो मेट्रो स्टेशन से सिर्फ 500 फीट दूर है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमले के बाद 2 पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाया गया। इतना ही नहीं गोलीबारी के दौरान भगदड़ से कई लोग घायल भी हुए हैं। जिस जगह पर गोलीबारी हुई, वहां अक्सर काफी भीड़ रहती है। फिलहाल, पुलिस टीम मौके पर तैनात है और घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि हमलावर के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। घटनास्थल से सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं। आसपास जो लोग मौजूद थे उन सभी से पूछताछ की जा रही है।

कैनबरा, ऑस्ट्रेलिया में प्रदर्शनी पार्क में समरनेट्स कार फेस्टिवल के दौरान बर्नआउट प्रदर्शन का मंचन किया गया। यहां पर प्रतिवर्ष 2 से 5 जनवरी तक कार फेस्टिवल आयोजित किया जाता है।

यूक्रेन के ड्रोन हमलों का जवाब देने रुस ने चलाया ब्रह्मास्त्र, जेलेंस्की की उड़ी नींद

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन का युद्ध अब स्वाभिमान का सवाल बन गया है। करीब तीन सालों से जारी युद्ध में कोई भी झुकने को तैयार नहीं है। ऐसे में अब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नए ब्रह्मास्त्र से यूक्रेन खौफ में आ गया है। पुतिन का ये नया ब्रह्मास्त्र ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की नींद उड़ा दी है? यूक्रेन के डिफेंस इंटेलिजेंस प्रमुख किरिलो बुडानोव ने रूस के अत्याधुनिक फाइबर ऑप्टिक ड्रोन को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि यूक्रेन के पास रूस के इस हथियार का कोई तोड़ नहीं है।

उन्होंने कहा कि हम ड्रोन वॉर जीत रहे थे लेकिन अब रूस ने बड़े स्तर पर फाइबर ऑप्टिर एफपीवी ड्रोनों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। ये हमारे लिए बहुत मुश्किल है क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर से इसे रोक पाना असंभव है। हम इसका तकनीकी समाधान ढूंढने की कोशिश करेंगे। बता दें कि बीते कुछ समय से यूक्रेन की सेना को रूस के

इस नए तरह के एफवीपी ड्रोन कामिखाजा के नए प्रकार का पता चला है।

रूस के इस एफवीपी कामिखाजा ड्रोन को सेना की लैब में तैयार किया गया है। रूस और यूक्रेन के बीच ये जंग ड्रोन युद्ध के रूप में बदल चुकी है। दोनों मुल्क जमकर ड्रोन्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में युद्ध के बीच ये समझ पाना मुश्किल है कि कौन सा ड्रोन किसका है। ये ड्रोन अद्भुत कंट्रोल सिस्टम से लैस हैं जो फाइबर ऑप्टिक केबल से चलते हैं। रूस के ये नए ड्रोन इतने सशक्त और भेदी हैं कि ये वायरलेस रेडियो फ्रीक्वेंसी से भी बचकर निकल जाते हैं।

दरअसल पारंपरिक ड्रोन जीपीएस और आरएफ सिग्नल पर निर्भर होते हैं और इन्हें जैमिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर टेक्टिक्स के जरिए डिसेबल किया जा सकता है। इससे पहले भी यूक्रेन में रूसी सेना की स्पेशल मिने बटालियन दुश्मन के ठिकानों को ढूंढकर निशाना बना रही है। इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए रूसी सेना एफपीवी-ड्रोन का इस्तेमाल कर रही है। रूसी सैनिक एफपीवी-ड्रोन में जैविक हथियार जोड़ने के लिए फिटिंग बनाने के लिए 3डी-प्रिंटर का इस्तेमाल करते हैं। अब इसी ड्रोन का लेटेस्ट वर्जन यूक्रेन के लिए सिरदर्द बन गया है। यूक्रेन परेशान है इसका जवाब कैसे दिया जाए।

आतंकी हमले के बाद बाइडेन की दो टूक, आईएसआईएस को बक्शा नहीं जाएगा

वाशिंगटन। न्यू ऑरलियंस में हुए आतंकी हमले के बाद अमेरिका आईएसआईएस के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सकता है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वादा किया कि अमेरिका आईएसआईएस और अन्य आतंकवादी संगठनों का लगातार पीछा करेगा। बाइडेन ने कहा, हम आईएसआईएस और अन्य आतंकवादी संगठनों का लगातार पीछा करने वाले है। जहां वे हैं और उन्हें कोई सुरक्षित पनाहगाह नहीं मिलेगी। इस बीच न्यू ऑरलियन्स के बॉर्बन स्ट्रीट में उम्मीद और वादे के साथ रेस्तरां और बार फिर से खुल गए। शहर और देश को झकझोर देने वाले हमले के बाद भले ही पर्यटकों की संख्या कम हो गई हो, लेकिन न्यू ऑरलियन्स के फ्रेंच क्वार्टर इलाके की इस लोकप्रिय सड़क पर पर्यटकों के साथ-साथ लोग भी वापस आ गए हैं। इस सड़क के मशहूर बैंड भी वापस आ गए हैं। बता दें बॉर्बन स्ट्रीट में एक संदिग्ध आईएसआईएस आतंकी ने तेज रफ्तार ट्रक घुसा दिया था। हमले में 14 लोगों की मौत हुई और दर्जनों लोग घायल हो गए। ट्रक कथित तौर पर टेक्सास निवासी 42 वर्षीय संदिग्ध शम्सुद्दीन जब्बार चला रहा था इस सुरक्षाबलों ने मार गिराया। जांचकर्ताओं का मानना है कि जब्बार ने अकेले ही घटना को अंजाम दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एफबीआई का कहना है कि वाहन में इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस या आईएस) का झंडा मिला है।

डोभाल से मुलाकात करने दिल्ली पहुंच रहे अमेरिकी एनएसए सुलिवन

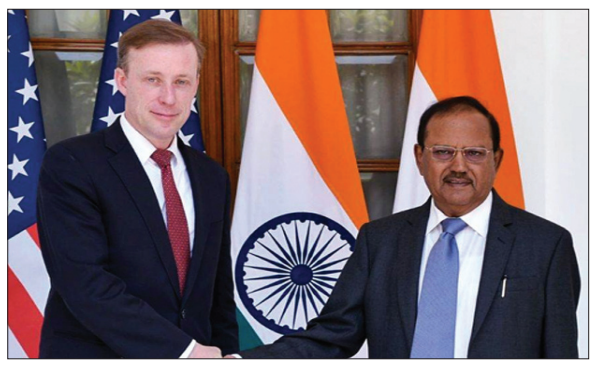

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन पांच और छह जनवरी को भारत की यात्रा पर जाएंगे, जहां वह अपने समकक्ष अजीत डोभाल और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करने वाले है।

सुलिवन,पद छोड़ने से पहले भारत की अपनी यात्रा के दौरान दिल्ली के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में भारत-केंद्रित विदेश नीति पर भाषण भी देने वाले है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने वाले हैं, और उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद सांसद माइकल वाल्ट्ज को दिया गया। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि सुलिवन की यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना है।

तीन मोर्चों में जंग लड़ रहे इजरायली सैनिकों में आत्महत्या के मामले बढ़े, चिंतित नेतन्याहू खुद मैदान में उतरे

तेलअवीव (एजेंसी)। साल 2024 में इजरायल पूरी तरह युद्ध फंसा दिखाई दिया और नये साल में यहूदी देश के खिलाफ युद्ध का नए मोर्चे खुलने से जंग में और ज्यादा फंसे रहने की उम्मीद है। अक्टूबर 2023 में हमास द्वारा किए भीषण हमले के बाद इजरायल दुश्मन देशों पर कहर बनकर टूट रहा है। पहले हमास फिर लेबनान और अब नए साल के साथ ही यमन के हूती विद्रोहियों के साथ इजरायल की जंग शुरू हो चुकी है। लेकिन युद्ध के तीन मोर्चों में उलझे इजरायली सैनिकों की मनोस्थिति ठीक नहीं है। इजरायल की फौज यानी आईडीएफ का डेटा कहता है कि युद्ध शुरू होने के बाद से सैनिकों में आत्महत्या की संख्या बढ़ी है। 2023 और 2024 में 38 सैनिकों ने सुसाइड किया। हमास के खिलाफ शुरू हुए युद्ध के बाद से आत्महत्या के 28 मामले सामने आए। चिंतित नेतन्याहू सरकार ने सैनिकों की आत्महत्या रोकने के लिए 800 से ज्यादा डॉक्टरों की टीम को मदद के लिए उतार दिया है। वे लगातार सैनिकों की काउंसलिंग कर रहे हैं।

आईडीएफ ने बीते दो वर्षों में हुई मौतों के आंकड़े जारी कर कहा है कि युद्ध के दौरान सेना में आत्महत्याओं की संख्या में वृद्धि देखी गई है। जहां 2023 और 2024 में 38 सैनिकों ने आत्महत्या की है, उसमें से 28 ने 7 अक्टूबर 2023 को हुए हमले के बाद आत्महत्या की। 2022 में आईडीएफ में 14 आत्महत्याएं दर्ज हुईं और 2021 में यह संख्या 11 थी।

वहीं आईडीएफ के अनुसार, 558 सैनिक मारे गए, जिसमें 512 की जंग के दौरान मौत हुई। दुर्घटनाओं में 16 सैनिकों की मृत्यु हुई, जिसमें प्रशिक्षण के दौरान दो, नागरिक कार दुर्घटनाओं में चार, सैन्य कार दुर्घटनाओं में पांच, एक आकस्मिक हथियार विस्फोट के परिणामस्वरूप और 10 की बीमारी से मौत हुई। 2024 में, आईडीएफ ने सेना में कुल 363 मौतें दर्ज कीं, जिनमें युद्ध के दौरान परिचालन गतिविधि में 295 और आतंकवादी हमलों में 11 मौतें शामिल हैं। दुर्घटनाओं में 23 सैनिक मारे गए, 17 नागरिक कार दुर्घटनाओं में, तीन सैन्य कार दुर्घटनाओं में तथा 13 की मृत्यु बीमारी के कारण हुई।

युद्ध की शुरुआत से लेकर अब तक आईडीएफ के 891 सैनिक मारे गए हैं। इसमें 7 अक्टूबर के हमले के दौरान 329, गाजा में लड़ाई के दौरान करीब 390, उत्तरी इजरायल पर हमलों में 37, लेबनान के अंदर लड़ाई के दौरान 50 और वेस्ट बैंक में 11 सैनिक मारे गए।

आईडीएफ के आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष के दौरान आईडीएफ में कुल मृत्यु दर में 2023 की तुलना में कमी आई है, लेकिन आत्महत्याओं की संख्या में वृद्धि हुई है। आईडीएफ का कहना है कि 2024 में कम से कम 21 सैनिकों ने आत्महत्या कर दी, जिसमें सात भर्ती किए गए सैनिक, दो कैरियर सैनिक और 12 रिजर्व सैनिक शामिल हैं। आईडीएफ ने बताया कि सेना में आत्महत्याओं को रोकने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। सैनिकों की काउंसलिंग के लिए 24 घंटे सातों दिन हेल्पलाइन शुरू की गई है। अक्टूबर 2023 में सेल के स्थापित करने के बाद से काउंसलिंग के लिए 3900 से अधिक कॉल प्राप्त हुए हैं। आईडीएफ ने युद्ध के दौरान सैनिकों की मनोस्थिति ठीक करने के लिए 800 से अधिक डॉक्टरों की टीम को भी नियुक्ति किया है।

महामारी के चलते श्मशानों पर लाशों का ढेर लगा, फिर भी झूठ पर झूठ बोल रहा है चीन

बीजिंग(एजेंसी)। कई बार प्रमाणित हो चुका है कि चीन झूठ बोलने में माहिर है। कोरोनाकाल में तमाम सबूत होने के बाद भी वो झूठ बोलता रहा। इस बार भी चीन में कोरोना वायरस जैसी बीमारी ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) तेजी से फैल रही है। वहां के अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं। यहां तक श्मशानों में भी शवों की दफनाने के लिए लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं, लेकिन चीन इस बात को मानने के लिए तैयार नहीं है।

उसने सोशल मीडिया पर प्रसारित इस तरह के वीडियो को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि जैसा दिखाया जा रहा है, वैसा कुछ भी नहीं। बीजिंग ने तो यहां तक कह दिया कि विदेशी टूरिस्टों के लिए चीन पूरी तरह से सुरक्षित है। चीन का यह बयान ठीक वैसा ही है, जैसा कि उसने पांच साल पहले कोरोना के समय दिया था। उसने कभी नहीं माना कि कोविड-19 वायरस उनके देश से फैला। चीन ने शुक्रवार को देश में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरों को कमतर बताया, यह कहते हुए कि इस साल सर्दियों में होने वाली सांस संबंधी बीमारियों के मामले पिछले साल की तुलना में कम गंभीर हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा करना बिल्कुल सुरक्षित है।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मीडिया को चीन में इन्फ्लूएंजा ए और अन्य श्वसन बीमारियों के प्रसार पर एक सवाल के जवाब में बताया, उत्तर गोलार्ध में सर्दियों के मौसम के दौरान श्वसन संक्रमण का प्रकोप बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, बीमारियां पिछले साल की तुलना में कम गंभीर और छोटे पैमाने पर फैलती दिख रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि चीनी सरकार चीनी नागरिकों और चीन में रहने वाले विदेशियों के स्वास्थ्य की परवाह करती है। चीन में यात्रा करना सुरक्षित है।' चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने यह भी बताया कि चीन की राष्ट्रीय रोग नियंत्रण और रोकथाम प्रशासन ने सर्दियों में श्वसन रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पिछले कुछ दिनों से चीन में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरें विदेशों में, खासकर भारत और इंडोनेशिया में, फैल रही हैं। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि यह प्रकोप हर साल सर्दियों के दौरान होता है।

बाढ़ से जूझ रहे श्रीलंका का आर्थिक मदद देकर, क्या डेट ट्रैप डिप्लोमेसी कर रहा चीन

कोलंबो (ईएमएस)। आर्थिक संकट और बाढ़ से जूझ रहे श्रीलंका में चीन अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की है। बाढ़ पीड़ितों की मदद के नाम पर चीन ने श्रीलंका में राहत सामग्री और सहायता पहुंचाकर अपनी पैठ बढ़ने

की कोशिश की है। चीन ने श्रीलंका में 46 लाख बच्चों के लिए मुफ्त स्कूल ड्रेस और राशन उपलब्ध कराया हैं। यह कदम श्रीलंका की मौजूदा आर्थिक स्थिति में चीन की छवि सुधारने और वहां अपनी मौजूदगी को मजबूती करने की रणनीति का हिस्सा है। चीन के इस कदम पर विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की असली मंशा अपने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) को बढ़ावा देना है। श्रीलंका में पहले से ही कई चीनी परियोजनाएं चल रही हैं, इसमें हंबनटोटा और कोलंबो पोर्ट सिटी जैसी प्रमुख योजनाएं हैं। इन परियोजनाओं के द्वारा चीन अपनी आर्थिक और रणनीतिक पकड़ मजबूत कर रहा है। चीन की यह सॉफ्ट पावर रणनीति आर्थिक सहायता और मानवीय राहत के जरिए देशों को अपनी ओर आकर्षित करने पर केंद्रित है। श्रीलंका में यह रणनीति न केवल चीन की उपस्थिति को मजबूत करेगी, बल्कि भविष्य में श्रीलंका को अपने पक्ष में रखने की गारंटी भी देगी। दरअसल आर्थिक संकट के चलाते श्रीलंका को चीन और अन्य देशों से कर्ज लेना पड़ा है। इस स्थिति में चीन की मदद कई बार डेट ट्रैप डिप्लोमेसी का हिस्सा होती है, जहां कर्ज के बदले चीन संबंधित देश पर राजनीतिक और आर्थिक नियंत्रण बढ़ा लेता है।

परेशानी में ट्रंप, पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स मामले में 10 जनवरी को आएगा फैसला

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक नई मुश्किल खड़ी होने वाली है। 10 जनवरी को पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प को पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देकर चुप कराने के मामले में सजा सुनाई जाएगी। मामले की सुनवाई करने वाले जज जुआन मर्चेन ने कहा कि ट्रम्प व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअल माध्यम से सजा सुनने के वक्त कोर्ट में मौजूद हो सकते हैं।

दरअसल 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रम्प ने कथित तौर पर डेनियल्स को पैसे दिए ताकि वह उनके साथ कथित यौन संबंधों के बारे में सार्वजनिक रूप से बात न करें। इस मामले में मैनहैटन कोर्ट ने पिछले साल मई में ट्रंप पर 34 आरोप तय किए थे। वहीं ट्रम्प ने मामले को अवैध राजनीतिक हमला करार दिया है। उन्होंने जज मर्चेन को कट्टरपंथी और पक्षपाती बताया और कहा, यह मामला हमारे संविधान के खिलाफ है। इस तुरंत खारिज किया जाना चाहिए। उनके प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने भी मामले की निंदा कर कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के इम्यूनिटी निर्णय और कानूनी प्रणाली का सीधा उल्लंघन है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जज मर्चेन ने कहा है कि ट्रंप को 20 जनवरी से पहले सजा सुनाना जरुरी है। शपथ ग्रहण के बाद राष्ट्रपति पद की दी गई छूट के कारण ट्रम्प मामले में कानूनी कार्रवाई से बच सकते हैं। उधर ट्रम्प ने मामले को धोखाधड़ी बताकर कहा कि वह इन आरोपों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखूंगा। ट्रंप समर्थकों का मानना है कि यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है और उनका उद्देश्य ट्रम्प की छवि खराब करना है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय की ओर से श्रद्धांजलि

120 करोड़ रुपये के सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार उजागर करने वाले

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की बड़ी ही बेरहमी से हत्या

परियोजना का शुरुआती टेंडर 50 करोड़ रुपये था,लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर 120 करोड़ रुपये कर दिया गया.

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

छत्तीसगढ़ के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के मुख्य आरोपी की पहचान उसके अपने चचेरे भाई के रूप में हुई है. मुकेश ने हाल ही में बस्तर क्षेत्र में गंगालूर से हिरोली तक 120 करोड़ रुपये की सड़क निर्माण परियोजना में कथित भ्रष्टाचार का खुलासा किया था. वह अपनी खोजी रिपोर्टों के लिए जाने जाते थे.

मुकेश ने हाल ही में बस्तर क्षेत्र में गंगालूर से हिरोली तक 120 करोड़ रुपये की सड़क निर्माण परियोजना में कथित भ्रष्टाचार का खुलासा किया था.

इस परियोजना का शुरुआती टेंडर 50 करोड़ रुपये था, लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर 120 करोड़ रुपये कर दिया गया.

छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित बीजापुर के टीवी पत्रकार, मुकेश चंद्राकर का शव 3 जनवरी को एक सेप्टिक टैंक से बरामद किया गया है.

इससे पहले बस्तर के आईजी पुलिस सुंदरराज पी ने कहा, "पत्रकार मुकेश चंद्राकर के भाई की शिकायत के बाद से ही पुलिस की विशेष टीम बना कर जांच की जा रही थी. शुक्रवार की शाम हमने चट्टान पारा बस्ती में ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के परिसर में एक सेप्टिक टैंक से मुकेश चंद्राकर का शव बरामद किया है. इस मामले में संदिग्धों

तीन आरोपियों रितेश चंद्राकर, दिनेश चंद्राकर (सुरेश चंद्राकर के रिश्तेदार) और पर्यवेक्षक महेंद्र रामटेके को गिरफ्तार किया गया है. भ्रष्टाचार दिखाया तो घर बुलाकर मारा

को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है."

पुलिस का कहना है कि पत्रकार मुकेश चंद्राकर के मोबाइल के अंतिम लोकेशन और फोन कॉल के आधार पर जांच चल रही थी.

इसी दौरान ठेकेदार सुरेश चंद्राकर की ओर से अपने मज़दूरों के लिए बनाए गये आवासीय परिसर में पुलिस ने खोजबीन शुरू की तो उन्हें एक ताज़ा कंक्रीट की ढलाई नज़र आई.

पता चला कि यह पुराना सेप्टिक टैंक है, जिसके ढक्कन को बंद करके दो दिन पहले ही कंक्रीट की ढलाई की गई है.

इसके बाद पुलिस ने शक के आधार पर उस सेप्टिक टैंक के ऊपरी हिस्से को तोड़ा तो उन्हें पानी के भीतर पत्रकार मुकेश चंद्राकर का शव मिला. उनके शव पर गहरे चोट के कई निशान थे.

33वर्षीय मुकेश चंद्राकर 1 जनवरी (2025) की रात से ही अपने घर से लापता थे.

****शनिवार को पुलिस ने मुकेश चंद्राकर की हत्या के मामले में आरोपी ठेकेदार का खाता सीज़ किया है.**

****वहीं गोदाम और मजदूरों के रहने के लिये बनाए गए अवैध निर्माण को भी ढहा दिया गया है.**

****प्रेस क्लब ऑफ़ इंडिया ने एक बयान जारी कर मुकेश चंद्राकर की हत्या की निंदा की है और मांग की है कि निश्चित समय के भीतर मामले की जांच पूरी की जाए और दोषियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई की जाए.**

****प्रेस क्लब ने अपने बयान में प्रेस काउंसिल से गुज़ारिश की है कि वो मामले का संज्ञान ले और राज्य सरकार को उचित कदम उठाने के लिए कहे.**

****कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी इस मामले में सख्त और त्वरित कार्रवाई की मांग की है.**

****उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, "खबरों के मुताबिक़, मुकेश ने अपनी रिपोर्ट में भ्रष्टाचार का खुलासा किया था जिसके बाद उनकी बेरहमी से हत्या कर दी गई."**

****"राज्य सरकार से मांग है कि वो इस मामले में सख्त कार्रवाई करे, दोषियों को कड़ी सज़ा दे और उके परिजनों को उचित मुआवज़ा दे. उनके परिजन को नौकरी देने पर भी विचार किया जाए."**